संस्थापक :स्व.श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
20 दिसम्बर 2025
वर्ष : 24 अंक : 177
कुल पृष्ठ : 08
मूल्य : एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा,पंजाब,हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

ੴ
ਸ਼ਹਾਦਤ ਦੇ 350 ਸਾਲ
ਹਿੰਦ ਦੀ ਚਾਦਰ
ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ
1675 - 2025

GOVT. OF PUNJAB

पंजाब शिक्षा क्रांति

पंजाब सरकार के सरकारी स्कूलों द्वारा आयोजित की जा रही है

मेगा पेरेंट-टीचर मीटिंग

20 दिसंबर, 2025 (शनिवार)

सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक

अभिभावकों, शिक्षकों और बच्चों की साझी यात्रा

आइए, मिलकर अपने बच्चों का सहयोग करें

- अपने बच्चे की सीखने की क्षमता को समझें
- पेरेंट्स के लिए विशेष वर्कशॉप, जिससे वह समझ सकें कि घर पर बच्चों की पढ़ाई में कैसे सहयोग करें
- बच्चों की उपलब्धियों की मिलकर ख़ुशी मनाएँ
- स्कूल और पेरेंट्स के बीच साझेदारी को और मज़बूत करें

हमारे बच्चे तब पूर्ण विकास की ओर बढ़ते हैं जब उन्हें स्कूल और घर दोनों जगह सहयोग मिलता है। माता-पिता की भागीदारी बच्चे के आत्मविश्वास, दिशा और सपनों को मज़बूती देती है। मेगा पेरेंट टीचर मीटिंग हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए साथ चलने का एक प्रयास है। मैं हर माता-पिता से इस सामूहिक प्रयास में जुड़ने का आग्रह करता हूँ।

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

मुख्यमंत्री ने की इंदौरा उत्सव के समापन समारोह की अध्यक्षता कहा, मनरेगा को समाप्त करना ग़रीबों के हितों के साथ कुठाराघात और अन्याय

चिट्टा तस्करों की सम्पत्ति को छः महीने में पूरी तरह नष्ट किया जाएगा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज ज़िला कांगड़ा के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इंदौरा उत्सव के समापन समारोह की अध्यक्षता की।

चिट्टा मुक्त हिमाचल थीम से आयोजित इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री ने आयोजकों की सराहना की।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने और उसकी जगह नया विधेयक लाने के लिए केंद्र सरकार के निर्णय की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी रोज़गार योजना को समाप्त करना ग़रीबों के हितों पर कुठाराघात और अन्याय है। मनरेगा योजना ग़रीब से ग़रीब लोगों के लिए रोज़गार का सहारा थी, जो कोरोना जैसे मुश्किल हालातों में भी उनके साथ थी। केंद्र सरकार का यह प्रयास ग़रीबों के ख़िलाफ़ है। हम इसका सख़्त विरोध करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। राज्य में रोज़गार और स्वरोज़गार के अनेक अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही राज्य चयन आयोग के माध्यम से विभिन्न पदों पर हज़ारों भर्तियां की जाएगी।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सभी संबद्ध क्षेत्रों के समावेशी विकास के माध्यम से सशक्त कर, प्रत्येक किसान की पारिवारिक आय को कम से कम 20 हजार रुपये मासिक सुनिश्चित किया जाए। हिमाचल, देश का पहला और एकमात्र राज्य है जिसने प्राकृतिक खेती पद्धति से उगाए गए अनाज की खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में मॉडर्न टेक्नोलॉजी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मेडिकल कॉलेज से लेकर सिविल अस्पताल तक पुरानी मशीनों को बदला जा रहा है। एमआरआई, सीटी स्कैन और एक्स-रे मशीन लगाने के लिए 3000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। प्रदेश में रोबोटिक सर्जरी आरंभ करने से स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति आई है। पांच मेडिकल कॉलेज में पहली बार तीन टेस्ला एमआरआई मशीन स्थापित की गई है। हिम केयर योजना का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कई वर्षों से लंबित पड़े राजस्व मामलों का निपटारा करने के लिए विशेष राज्यसभा अदालतों की शुरुआत की है। अभी तक इन अदालतों में रिकॉर्ड 4,63,000 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने नशे के ख़िलाफ़ अब तक सबसे बड़ा चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान शुरू किया है, जो जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार से कमाए गए अवैध धन को ज़ब्त किया जाएगा। अब तक 50 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति ज़ब्त की जा चुकी है। आगामी 6 माह में प्रदेश में चिट्टा तस्करों द्वारा चिट्टे से कमाई गई संपत्ति को पूरी तरह नष्ट किया जाएगा। नशा तस्करों और अंतर राज्य गिरोहों की रीढ़ तोड़ने में सरकार सफल रही है। उन्होंने लोगों से चिट्टे से जुड़ी सूचना आपातकालीन नंबर 112 पर देने का आग्रह किया। सूचना देने वाले को 10,000 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक इनाम दिया जाएगा।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य को आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने के लिए बड़े निर्णय लिए हैं। वाइल्ड फ्लावर हॉल मामले में क़ानूनी लड़ाई जीती है, जिससे प्रदेश को हर साल 20 करोड़ रुपये की आय होगी। इसी तरह कड़छम वांगतू परियोजना से हर वर्ष 150 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने कहा कि इंदौरा उत्सव को ज़िला स्तरीय उत्सव का दर्जा प्रदान करने की अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जा रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एंजल ऑर्फनेज होम के विद्यार्थियों से संवाद भी किया।

विधायक मलेंद्र राजन ने मुख्यमंत्री का इंदौरा विधानसभा क्षेत्र में स्वागत करते हुए कहा कि इंदौरा उत्सव का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नशा माफ़िया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है, जिसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार हिमाचल को एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में विकसित करने के लिए पूर्ण समर्पण भाव से प्रयासरत है। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद राज्य सरकार ने 3 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेशवासियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण फ़ैसले लिए हैं। इंदौरा विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और सरकार द्वारा आरंभ की गई विभिन्न योजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है।

उत्सव के दौरान प्रख्यात गायक लखविंद्र बडाली, पुलिस बैंड, लोक गायकों और अन्य सांस्कृतिक दलों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, हिमाचल प्रदेश वूल फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज ठाकुर, एपीएमसी कांगड़ा के अध्यक्ष निशु मोंगरा, हिमाचल प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम के उपाध्यक्ष विशाल चंबियाल, पूर्व मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी, पूर्व विधायक अजय महाजन, उपायुक्त हेमराज बैरवा, पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा कांग्रेस नेता करण पठानिया अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गेहूं के आटे के सुदृढ़ीकरण को मजबूत करने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

शिमला। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने कर्नाटक हेल्थ प्रमोशन ट्रस्ट (केएचपीटी) तथा ग्लोबल एलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) के सहयोग से लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीडीपीएस) में गेहूं के आटे के सुदृढ़ीकरण को मजबूत करने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव आर. डी. नजीम ने मुख्य संबोधन में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने संस्थागत सुदृढ़ीकरण, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय तथा सतत् तकनीकी सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सुदृढ़ीकरण कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर उन्होंने गेहूं के आटे के सुदृढ़ीकरण पर एक व्यापक नीति दस्तावेज का भी विमोचन किया, जो राज्य में भविष्य की कार्यान्वयन रणनीतियों का मार्गदर्शन करेगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक राम कुमार गौतम ने कहा कि राज्य गुणवत्तायुक्त सुदृढ़ीकृत गेहूं के आटे के माध्यम से टीपीडीएस को मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे कमज़ोर वर्गों की पोषण सुरक्षा में सुधार होगा। केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सुरेश सखारे ने तकनीकी सत्रों का संचालन किया। इन सत्रों में गेहूं के आटे के सुदृढ़ीकरण से जुड़े तकनीकी पहलुओं, नवाचारों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जीएआईएन की प्रिया भट्टाचार्य और केएचपीटी की मिहिका वखलू ने प्रक्रिया दस्तावेज़ के प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने कार्यक्रम के क्रियान्वयन ढांचे पर महत्त्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं तथा सुदृढ़ीकरण कार्यक्रमों की सफलता के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं और हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के महत्त्व को रेखांकित किया। कार्यशाला में जिला स्तर के अधिकारियों, मिल संचालकों तथा टीपीडीएस से जुड़े अन्य प्रमुख हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सुदृढ़ीकरण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चुनौतियों एवं सुझावों पर विचार-विमर्श किया।

उप-मुख्यमंत्री ने जल शक्ति विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की

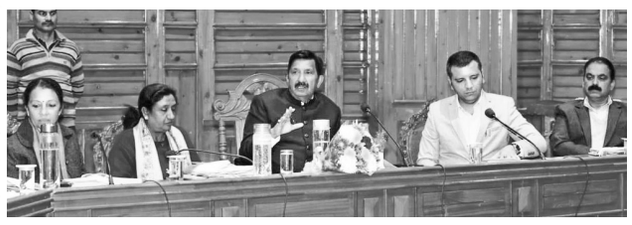

शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने वीरवार सायं पीटरहॉफ में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जल शक्ति विभाग की स्क्रीनिंग कमेटी की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की। मुकेश अग्निहोत्री ने जल शक्ति विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेशभर में चल रहे जल आपूर्ति एवं सिंचाई से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कार्यों में और अधिक तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि जल शक्ति विभाग की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना और किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। बैठक में जल आपूर्ति योजनाओं, सिंचाई परियोजनाओं तथा विभागीय प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ-साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर चल रहे कार्यों का नियमित निरीक्षण करें और जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। बैठक का संचालन प्रमुख अभियंता अंजू शर्मा ने किया। बैठक में प्रधान सचिव विधि राजीव बाली, सचिव जल शक्ति राखिल काहलों, विशेष सचिव वित्त विजय वर्धन, अतिरिक्त नियंत्रक स्टोर मनोज कुमार, महाप्रबंधक एचपी सिविल सप्लाई अरविंद शर्मा, जल शक्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

21 दिसम्बर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 21 दिसम्बर, 2025 को 33 के.वी. कथेड़ और 33 के.वी. कण्डाघाट फीडर के तहत आने वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी।

राहुल वर्मा ने कहा कि 21 दिसम्बर, 2025 को दोपहर 12.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक माल रोड, अप्पर बाजार, पुराना उपायुक्त कार्यालय, आनंद कॉपलेक्स, न्यायालय परिसर, लोक निर्माण विभाग कॉलोनी, क्लीन, सेर क्लीन, सन्नी साईड, विवांता मॉल, चिल्ड्रन पार्क, पुस्तकालय, क्षेत्रीय अस्पताल, अस्पताल मार्ग, फोरेस्ट रोड, जौणाजी, शिल्ली, अश्वनी खड्ड, दामकड़ी, फशकना, फ्लाई, मेला मैदान, हरट, बेल, नेरी, गण की सेर, जबलाटी, मनसार, झोखड़ी, हॉट मिक्स के आस-पास के क्षेत्र, ग्राणी, सलोगड़ा के कुछ क्षेत्र, सेवला, बरड़ बस्ती, ब्ररी, तरण-तारण ढाबा, पडग, विनसम होटल, दाउंसी, ग्लूथ, कोधारी, कोठी, कथोग, बजरोल, नडोह, शामती, डमरोग, ऑफिसर कॉलोनी, कोटला नाला, कथेड़, मिनी सचिवालय, लक्कड़ बाज़ार, गंज बाज़ार, शिल्ली मार्ग, उपायुक्त आवास क्षेत्र, मोहन कॉलोनी, मधुबन कॉलोनी, हरि मंदिर क्षेत्र, राजगढ़ मार्ग, नगर निगम क्षेत्र, रेनाल्ट शोरूम तथा आस-पास के क्षेत्र, चौक बाज़ार, सर्कुलर मार्ग, धोबीघाट, आई.टी.आई., पुराना बस अड्डा, सेंट ल्यूक्स स्कूल, अम्बुशा होटल, चेस्टर हिल्स, अमित अपार्टमेंटस, सुंदर सिनेमा, जौणाजी मार्ग, राजकीय महाविद्यालय, ठोडो मैदान क्षेत्र, चिल्ला, बागड, श्योथल, क्रागड़ी, मैरिडियन, सेरी, बलाना खनोग, मतियूल, खलीफा लॉज, जे.बी.टी. रोड, सूर्य बिहार, तहसील, टैंक रोड़, खुंडीधार, साईटिस्ट कॉलोनी, नया बस अड्डा, पुलिस लाईन, सब्जी मण्डी, चम्बाघाट चौक, बसाल मार्ग, गुगाघाट, हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र बसाल, घडयाल, डांगरी, शिरी, ढाला, पट्टी, दयोली की सेर, गारा, पोकन, बाड़ा, धरोट, सलुमणा, ब्लेसिंग हेल्थ केयर, सूर्य किरण, बावरा, गरीब बस्ती, फोरेस्ट कॉलोनी, एन.आर.सी.एम., करोल विहार, डी.आई.सी. कॉलोनी, मेहर सिंह कॉलोनी, बेर की सेर, जराश, बेर पानी, बेर गांव, बेर खास, कोर्णाक होटल तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि 21 दिसम्बर, 2025 को ही प्रातः 11.00 से 11.30 बजे तक तथा दिन में 02.00 बजे से 02.30 बजे तक कण्डाघाट, दोलग, परोंथा, डेढ घराट, शनेच, टिक्कर, मही, सिरीनगर, हाथो, पलेच, शलुमणा, हिमुडा, वाकनाघाट, छावशा, डुमैहर, कोट, क्रारग, कोठी, भारा, आंजी ब्राहमणा, सैंज, गोग, कैथलीघाट, शालाघाट, क्यारी बंगला, बीशा, बाशा, सुरो, जे.पी. विश्वविद्यालय, चायल, दोची, मिलिट्री स्कूल, जीतनगर, आलमपुर, भलावग, हिन्नर, कुरगल, मिहाणी, बिनू, परोथा, डुबलू, टिक्कर, नगाली तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि खराब मौसम एवं अन्य कारणों से उपरोक्त तिथि तथा समय में बदलाव किया जा सकता है।

राष्ट्रीय लैंगिक अभियान के तहत राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि नई चेतना 4.0 राष्ट्रीय लैंगिक अभियान का उद्देश्य लिंग आधारित हिंसा को पूर्ण रूप से समाप्त करना है। मनमोहन शर्मा आज यहां राष्ट्रीय लैंगिक अभियान के तहत आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा यह अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और परिवार में समान जिम्मेदारियों को बढ़ावा देना नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पहले हिमाचल प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में लिंगानुपात में काफ़ी गिरावट थी, लेकिन प्रदेश सरकार के अथक सुधारात्मक प्रयासों से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लिंगानुपात में सुधार के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं कार्यान्वित कर रही है। योजना कार्यान्वयन के साथ-साथ महिलाओं को उनके विधिक एवं मौलिक अधिकारों की जानकारी भी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से दी जा रही है।

उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जिनके दूरगामी परिणाम हैं। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार अब राशन कार्ड महिला के नाम पर बनाए जा रहे हैं तथा भूमि व सम्पति का महिला के नाम पंजीकरण करने पर शुल्क पुरुषों की अपेक्षा कम लिया जाता है।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग से डॉ. प्रियंका ने स्वास्थ्य संबंधी, पुलिस विभाग से थाना प्रभारी कविता ने लैंगिग समानता पर कानूनी अधिकारों के प्रावधानों के विषय में तथा ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण के उप प्रमुख एस.एल. कश्यप ने विधिक प्राधिकरण के सौजन्य से महिलाओं के कल्याण के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं, घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 और महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। ज़िला कार्यक्रम अधिकारी आई.सी.डी.एस. डॉ. पदम् देव ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुखाश्रय योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना तथा बाल विवाह मुक्त अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हिमाचल प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा लैंगिक अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर महिला हिंसा उन्मूलन के बारे में शपथ भी दिलाई गई। शिविर में स्वयं सहायता समूह की सदस्यों द्वारा समूह गान तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लैंगिक अभियान के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया।

सुप्रीम आउटफिट प्राइवेट लिमिटेड ने किया 10 लाख का अंशदान

शिमला। सुप्रीम आउटफिट प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद के अध्यक्ष एवं कार्यकारी निदेशक व पालमपुर निवासी प्रेम सिंह राणा ने आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू को सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत राज्य में आपदा प्रभावितों के लिए चल रहे पुनर्वास एवं राहत कार्यों के लिए 10 लाख रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए सुप्रीम आउटफिट प्राइवेट लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि विभिन्न संस्थाएं प्रदेश में आई आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए बढ़चढ़ कर योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि इस राशि से प्रभावित लोगों को राहत एवं पुनर्वास प्रदान करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर प्रेम सिंह राणा ने कहा कि उनकी संस्था हिमाचल प्रदेश में शिक्षा, आजीविका सहयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा आपदा पुनर्वास से जुड़े अनेक कार्य कर रही है। पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव सुशील कुमार सिंगला भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के प्रतिनिधियों को उद्योग 4.0 और ऑटोमेशन के बारे में किया जागरूक

सोलन। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय तथा उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में गत दिवस सोलन में स्मार्ट सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उद्योग विभाग सोलन के आई.पी.ओ. बलराज ने की। बलराज ने इस अवसर पर उद्योग 4.0 और ऑटोमेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिक तकनीक जैसे ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, स्मार्ट मशीनरी और डिजिटल प्रक्रियाओं को उद्योगों द्वारा अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे जहां त्रुटियां कम होती है वहीं लागत में भी कमी आती है। उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए उद्योग 4.0 आधारित समाधानों को चरणबद्ध तरीके से अपनाने का सुझाव भी दिया। डिजिटल परिवर्तन विशेषज्ञ सुखप्रीत सिंह ने इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा बड़े उद्योगों को उद्योग 4.0 समाधानों, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टूल्स, डाटा-ड्रिवन निर्णय प्रणाली तथा सरल एवं अपनाने योग्य डिजिटल रणनीतियों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया कि इन पहलों के माध्यम से उद्योगों की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पाद गुणवत्ता, तथा दीर्घकालिक स्थिरता को सुदृढ़ किया जा सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में निजी शिक्षण संस्थानों का अहम योगदान : केवल सिंह पठानिया

पिछले 36 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं दे रहा गाइड पब्लिक स्कूल शाहपुर

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में नवाजे होनहार

शाहपुर, । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज शाहपुर स्थित द गाइड पब्लिक स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदेश में सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थान भी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि गाइड पब्लिक स्कूल पिछले 36 वर्षों से शाहपुर क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकले विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देकर क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

केवल सिंह पठानिया ने विद्यालय के प्रबंध निदेशक, प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ को कुशल प्रबंधन हेतु बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर प्रगति करता रहेगा।

उन्होंने शाहपुर की स्वास्थ्य सुविधाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सिविल अस्पताल शाहपुर पर अब तक 17 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं तथा 4 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शीघ्र खर्च की जाएगी। वर्तमान में अस्पताल में 17 चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं तथा शीघ्र ही यहां 4 डायलिसिस मशीनें स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इच्छाशक्ति से हर कार्य संभव है।

उन्होंने घोषणा की कि आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यालय के प्राइमरी वर्ग के बच्चों को अपनी ओर से पानी की बोतलें भेंट की जाएंगी। साथ ही उन्होंने विज्ञान विषय को प्रोत्साहित करने हेतु विद्यालय प्रबंधन से एक वैज्ञानिक परियोजना तैयार करने को कहा, जिसके लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा परियोजना के शुभारंभ अवसर पर वे स्वयं उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने इसी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर वर्तमान में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं दे रहे 21 चिकित्सकों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के मुखिया रविंदर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग, देशभक्ति एवं स्थानीय संस्कृति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। इसके उपरांत शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एटीसी शाहपुर की प्रभारी एवं वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया, प्रधानाचार्य हरदीप कौर, बीडीओ रैत कमलजीत, कांग्रेस नेता डीडी शर्मा, नगर परिषद शाहपुर की अध्यक्षा ऊषा शर्मा, उपाध्यक्ष विजय गुलेरिया, जिप सदस्य नीना ठाकुर, पुष्पा जरयाल, उत्तम चम्बियाल, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, सहायक अभियंता लोक निर्माण विपुल, रेंज ऑफिसर सुमित शर्मा, प्रधानाचार्य शमशेर भारती, पूर्व प्रधानाचार्य कीरत सोहल, मनीष पटियाल, एसएचओ शाहपुर करतार सिंह, अश्वनी चौधरी ,राजीव पटियाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

अटल स्मृति सम्मेलन के जिला संयोजकों और सह संयोजकों की बैठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने समझाई कार्य योजना

अटल जी के हर कर्म में सदैव राष्ट्रहित सर्वोपरि था - पंडित मोहन लाल बड़ौली

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जो विकास हो रहा है, उसकी नींव अटल जी ने रखी थी - बड़ौली

चंडीगढ़, । भारतीय जनता पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष को अटल स्मृति दिवस के रूप में मना रही है। शुक्रवार को कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर पानीपत स्थित भाजपा कार्यालय श्याम कमल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें नेताओं को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने अटल स्मृति सम्मेलन के जिला संयोजकों और सह संयोजकों कार्य योजना समझाई। प्रदेश व जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

कार्यशाला में प्रदेश समन्वय टोली की संयोजक प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, प्रदेश सचिव राहुल राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर, जिला प्रभारी कमल यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग और पूर्व विधायक जगदीश नैय्यर, रवि बतान सहित सभी जिलों की टोलियों के संयोजक एवं सह-संयोजक उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बारे में विस्तार से बताते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि 25 से 31 दिसंबर होने वाले कार्यक्रम आज तय किए गए हैं। 25 से लेकर 31 दिसंबर तक हरियाणा की सभी 90 विधानसभाओं में अटल स्मृति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। हर विधानसभा में कम से कम एक चौक-चौराहे व उद्यान या सड़क का नाम अटल जी के नाम पर रखा जाएगा और अटल जी की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी। अटल स्मृति सम्मेलनों में तीन वक्ता अटल जी के व्यक्तित्व और उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का भारतीय राजनिति में अतुलनीय योगदान है। अटल जी भाजपा के हर कार्यकर्ता के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे ही कर्मशील युगपुरुष थे, जो जीवनपर्यंत निःस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहे। अटल जी के हर कर्म में सदैव राष्ट्रहित सर्वोपरि था।

अटल के विचारों को सुशासन की नींव बताते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जो विकास हो रहा है, उसकी नींव अटल जी ने रखी थी। अटल जी का दूरदर्शी नेतृत्व और विकास की सोच आज पीएम मोदी के कार्यकाल में साकार हो रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की नायब सरकार नायाब तरीके से काम कर रही है। प्रदेश की नायब सैनी सरकार जनकल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतार कर गरीबों, किसानों और महिलाओं को सीधा लाभ पहुंचा रही है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने अपनी 'अग्निपथ नहीं जनपथ' पुस्तक विधानसभा पहुंचकर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रियों व विधायको को भेंट की

चंडीगढ़, । भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. सतीश पूनिया जी ने लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती को समर्पित अपनी पुस्तक 'अग्निपथ नहीं जनपथ' (संवाद से संघर्ष तक) हरियाणा विधानसभा (चंडीगढ़) में लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिढा, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, विपुल गोयल, राव नरवीर सिंह,कृष्ण बेदी, राजेश नागर सहित विधायकगणों को भेंट की। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि 'अग्निपथ नहीं जनपथ' एक राजनीतिक यात्रा और जनसेवा का प्रामाणिक चित्रण है जो संवाद के माध्यम से समाज के लिए काम करने की प्रेरणा देती है। यह पाठकों, शोधकर्ताओं और राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

क्रिसमस व नववर्ष के मद्देनज़र हरियाणा पुलिस की व्यापक सुरक्षा तैयारी

चंडीगढ़, । क्रिसमस एवं नववर्ष के अवसर पर प्रदेशभर में शांति, कानून-व्यवस्था तथा नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हरियाणा पुलिस ने व्यापक, सुदृढ़ एवं बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। पुलिस महानिदेशक, हरियाणा के स्पष्ट निर्देशों के तहत सभी पुलिस आयुक्तों, जिला पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित इकाइयों को पूर्ण सतर्कता बरतने, अलर्ट मोड में रहकर समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए गए हैं, ताकि त्यौहारों के दौरान आमजन को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं निर्बाध वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

भीड़भाड़ वाले शहरों व सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सतर्कता

25 दिसंबर 2025 (क्रिसमस) तथा 31 दिसंबर 2025 की रात्रि और 1 जनवरी 2026 को नववर्ष समारोह के दौरान प्रदेश के प्रमुख शहरों- गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, हिसार, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, करनाल, पानीपत एवं रेवाड़ी आदि में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना है। विशेष रूप से बाजारों, मॉल, पर्यटन स्थलों, रिसॉर्ट्स, पब एवं बारों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकतम पुलिस बल को मैदान में उतारा जाएगा। पेट्रोलिंग, मोबाइल पेट्रोलिंग, नाका ड्यूटी एवं स्थायी ड्यूटी को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। पुलिसकर्मियों को पुनः व्यवस्थित कर उन्हें प्राथमिक रूप से सक्रिय फील्ड ड्यूटी में तैनात किया जाएगा।

त्योहारों के दौरान यातायात सुचारू रखने के लिए सभी प्रमुख चौराहों, मुख्य सड़कों और संवेदनशील मार्गों पर विशेष ट्रैफिक व्यवस्था की जाएगी। यातायात पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि जाम की स्थिति से निपटने के लिए पूर्व नियोजित डायवर्जन प्लान लागू किया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एल्को-सेंसर के माध्यम से ड्रंक ड्राइविंग की जांच की जाएगी तथा मोटर वाहन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। सभी जिलों में चेक प्वाइंट्स स्थापित कर नियमित जांच की जाएगी।

हरियाणा विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सात विधेयक प्रस्तुत किए गए

इसके अलावा, 8 विधेयक चर्चा उपरांत पास भी किए गए

चण्डीगढ़, हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन जो सात विधेयक प्रस्तुत किए गए उनमें हरियाणा तकनीकी शिक्षा अतिथि संकाय (सेवा की सुनिश्चिता) संशोधन विधेयक, 2025, हरियाणा आवास बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा आबादी देह (स्वामित्व अधिकारों का निहितीकरण, अभिलेखन और समाधान) विधेयक, 2025, हरियाणा दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा अनुसूचित सड़क और नियंत्रित क्षेत्र अनियमित विकास निर्बन्धन (संशोधन) विधेयक, 2025 और हरियाणा जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक,2025 शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, आठ विधेयक चर्चा उपरांत पास भी किए गए। पास किए गए विधेयकों में हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी मंदिर (आश्रम), बेरी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा श्री कपाल मोचन, श्री बद्री नारायण, श्री मन्तरा देवी तथा श्री केदारनाथ पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2025, हरियाणा पंचायती राज (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 तथा हरियाणा नगर निकाय विधेयक, 2025 शामिल हैं। हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल अधिनियम,1991 को संशोधित करने के लिए हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित किया गया।

अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (ख) के अनुसार किसी व्यक्ति को बोर्ड के सदस्य के रूप में नामजद किए जाने के लिए अयोग्य ठहराया जाएगा ''यदि यह अस्वस्थ है और सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित हो चुका है या यदि वह बहरा, गूंगा या संक्रामक कुष्ठ रोग या किसी विषाक्त संक्रामक रोग से पीड़ित है।'' फेडरेशन ऑफ लेपि. ऑर्गन (फोलो) बनाम यूनियन ऑफ इंडिया शीर्षक वाले डब्ल्यू. पी. (सी) संख्या 83/2010 में पारित 7 मई, 2025 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 1991 में यह अधिनियम अधिनियमित किया गया था तथा सामाजिक संरचना में बदलाव के साथ, जहां अब शारीरिक रूप से विकलांग और मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति समाज में स्वीकार्य और सम्मानित है, उक्त प्रावधान को जारी रखना अनुचित है। इसलिये, यह आवश्यक है कि हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल अधिनियम, 1991 (1991 का 14) में हरियाणा श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025 के द्वारा संशोधन किया जाये।

हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल अधिनियम,1991 को संशोधित करने के लिए हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित किया गया।

अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (ख) के अनुसार किसी व्यक्ति को बोर्ड के सदस्य के रूप मनोनीत किए जाने के लिए अयोग्य ठहराया जाएगा ''यदि वह अस्वस्थ है और सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित हो चुका है या यदि वह बहरा, गूंगा या संक्रामक कुष्ठ रोग या किसी विषाक्त संक्रामक रोग से पीड़ित है।'' फेडरेशन ऑफ लेपि. ऑर्गन (फोलो) बनाम यूनियन ऑफ इंडिया शीर्षक वाले डब्ल्यू. पी. (सी) संख्या 83/2010 में पारित 7 मई, 2025 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 1992 में यह अधिनियम अधिनियमित किया गया था तथा सामाजिक संरचना में बदलाव के साथ, जहां अब शारीरिक रूप से विकलांग और मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति समाज में स्वीकार्य और सम्मानित है, उक्त प्रावधान को जारी रखना अनुचित है।

इसलिये, यह आवश्यक है कि हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल अधिनियम, 1991 (1992 का 10) में हरियाणा श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल (संशोधन) विधेयक, 2025 के द्वारा संशोधन किया जाये। हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी मंदिर (आश्रम), बेरी पूजा स्थल अधिनियम,2022 को संशोधित करने के लिए हरियाणा श्री माता भीमेश्वरी देवी मंदिर (आश्रम), बेरी पूजास्थल (संशोधन) विधेयक, 2025 पास किया गया।

अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (ख) के अनुसार किसी व्यक्ति को बोर्ड के सदस्य के रूप में नामजद किए जाने के लिए अयोग्य ठहराया जाएगा ''यदि यह अस्वस्थ है और सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसा घोषित हो चुका है या यदि वह बहरा, गूंगा या संक्रामक कुष्ठ रोग या किसी विषाक्त संक्रामक रोग से पीड़ित है।'' फेडरेशन ऑफ लेपि. ऑर्गन (फोलो) बनाम यूनियन ऑफ इंडिया शीर्षक वाले डब्ल्यू. पी. (सी) संख्या 83/2010 में पारित 7 मई, 2025 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2025 में यह अधिनियम अधिनियमित किया गया था तथा सामाजिक सरंचना में बदलाव के साथ, जहां अब शारीरिक रूप से विकलांग और मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति समाज में स्वीकार्य और सम्मानित है, उक्त प्रावधान को जारी रखना अनुचित है।

वर्तमान सरकार ने अब तक 4771.89 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को दिया - विपुल गोयल

चंडीगढ़ राजस्व आपदा एवं प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अब तक 4771.89 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को दिया है जबकि कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2005 से 2014 तक केवल 1158 करोड़ रुपये की राशि मुआवजे के रूप में दी गई। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि भाजपा हर व्यक्ति, किसान के सुख दुख में शामिल होने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि फसल खराबा आकलन प्रक्रिया में पटवारी, गिरदावर, एस डी एम , डी सी ने भी जांच की है। इस प्रक्रिया को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी देखा है। यदि कोई गलती या लापरवाही पाई गई उन्हें चार्जशीट किया गया है।

''देश की आजादी की लड़ाई देश की जनता ने लडी है और हम भी इस देश की जनता है'' - अनिल विज

चण्डीगढ, हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि ''वंदे मातरम् लाखों लोगों की भावनाओं के साथ जुड़ा हुआ है और वंदे मातरम् कहते हुए लाखों लोगों ने बलिदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई देश की जनता ने लडी है और हम भी इस देश की जनता है''।

श्री विज आज यहां चण्डीगढ में हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के संबंध में चल रही चर्चा के दौरान बोल रहे थे। विपक्ष को घेरते हुए श्री विज ने कहा कि वंदे मातरम् को जो स्थान दिया जाना चाहिए था, कभी नहीं दिया। आपने (कांग्रेस) जिन्ना के कहने पर वंदे मातरम् के दो पैरों को काट दिया गया, जबकि आज तक किसी ने गीता, रामायण और कुरान को नहीं काटा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को हम सैल्यूट करते हैं, प्रणाम करते हैं, पुष्प भेंट करते हैं लेकिन विपक्ष (कांग्रेस) ने वंदे मातरम् को तोड कर देश को तोडने की नींव रख दी क्योंकि आप (तत्कालीन कांग्रेस के नेता/विपक्ष) कुछ लोगों के आगे झुक गए। उन्होंने विपक्ष (कांग्रेस) को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वंदे मातरम् की पवित्रता को भंग किया गया, और ये बातें अपने स्थान पर ठीक हो सकती थी, लेकिन इन बातों को वंदे मातरम् के साथ जोड़कर नहीं कहा जाना चाहिए।

ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के लिए कर्मचारी 25 दिसंबर तक जमा करा सकेंगे मेडिकल सर्टिफिकेट

चंडीगढ़-हरियाणा में चल रही ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव में शामिल कर्मचारी मॉडल अब 25 दिसंबर, 2025 तक अपना मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाकर अपने संबंधित चेकर के पास जमा करा सकेंगे। इस तिथि के बाद जारी किसी भी मेडिकल सर्टिफिकेट पर, चल रही ट्रांसफर ड्राइव में विचार नहीं किया जाएगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी एक पत्र में चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग को निर्देश दिए गए है कि मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के परिशिष्ट-1 में वर्णित दुर्बलकारी रोगों के आधार पर अंकों का दावा करने के इच्छुक कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकें। गौरतलब है कि ये सर्टिफिकेट अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पीजीआई चंडीगढ़, पीजीआईएमएस रोहतक और हरियाणा, दिल्ली या चंडीगढ़ स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेजों द्वारा गठित मेडिकल बोर्डों के माध्यम से जारी किए जाने हैं। उल्लेखनीय है कि 23 मई, 2025 को जारी मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी की अधिसूचना के उपरांत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा 17 नवंबर, 2025 से ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव शुरू की गई है। ट्रांसफर पॉलिसी के प्रावधानों के अनुसार, दुर्बलकारी रोग (स्वयं/पति या पत्नी/अविवाहित पुत्र/पुत्री) के आधार पर 10 अंक का दावा करने के इच्छुक कर्मचारियों को 31 अक्टूबर, 2025 तक वैध मेडिकल सर्टिफिकेट प्राप्त करना आवश्यक था।

जल भंडारण सुविधा का निर्माण करने की दिशा में सरकार अग्रसर-कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

चंडीगढ़, हरियाणा के लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि रेवाड़ी में नई जल भंडारण सुविधा का निर्माण करने की दिशा में सरकार अग्रसर हैं।

श्री गंगवा आज विधानसभा के शीतकालीन सत्र में रेवाड़ी से विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि रेवाड़ी शहर में पेयजल आपूर्ति, कलाका एवं लिसाना ग्रामों में स्थित दो नहर आधारित जल संयंत्रों के माध्यम से की जा रही है। वर्तमान में शहर को 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (एलपीसीडी) की दर से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नहरी पानी की भंडारण क्षमता में वृद्धि हेतु, भगवानपुर ग्राम की 9 एकड़ 7 कनाल 5 मरला पंचायत भूमि को विभाग द्वारा जून 2025 को खरीदा गया है। भूमि पर अतिरिक्त नहरी जल भंडारण टैंक नयागांव स्थित मुख्य स्टॉर्म वॉटर पंपिंग स्टेशन के सुदृढ़ीकरण हेतु 2605.66 लाख रुपये की लागत का अनुमान अक्तूबर 2025 को प्रशासनिक रूप से स्वीकृत किया गया है। इस हेतु पैकेज-1 का टेंडर जारी किया जा चुका है तथा पैकेज-2 की प्रक्रिया प्रगति पर है। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि इसके अतिरिक्त, और अधिक नहरी जल भंडारण की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए, विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से प्रक्रिया आरंभ की जा चुकी है। भूमि स्वामियों द्वारा प्रस्तावित 45.375 एकड़ उपयुक्त भूमि को नीतिगत दरों पर वार्ता हेतु नवंबर 2025 को निदेशक, भूमि अभिलेख को सचिवों की समिति की बैठक आयोजित करने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

दादा कुशल सिंह दहिया के नाम का सड़क नामकरण और माता घोघड़ी देवी की स्मृति में स्थल का निर्माण जल्द हो

चंडीगढ़, हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सदन में महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखते हुए कहा कि वो विधायक पवन खरखौदा द्वारा रखे गए सुझाव से पूर्णतः सहमत हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने की दिशा में दादा कुशल सिंह दहिया जी के नाम पर सड़क का नामकरण किया जाना चाहिए।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह स्वयं इस परियोजना के साथ पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुड़े रहेंगे और इसके शीघ्र क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने माता घोघड़ी देवी जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक विशेष स्मृति स्थल बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि यह स्थल लगभग 2000 गज क्षेत्रफल में विकसित किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां माता घोघड़ी देवी जी के योगदान और आदर्शों से प्रेरणा ले सकें। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने इस विषय में माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने यह भी दोहराया कि इस स्मृति स्थल के निर्माण से जुड़े इस प्रोजेक्ट के साथ भी वह स्वयं को पूरी तरह जोड़ते हैं और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की महान विभूतियों के सम्मान में ऐसे कदम न केवल सामाजिक चेतना को मजबूत करते हैं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं।

पूर्ण बहुमत वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस की हताशा को दर्शाता है: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़, हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि 14 महीनों से पूर्ण बहुमत के साथ चल रही सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कांग्रेस की राजनीतिक हताशा और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अविश्वास प्रस्ताव का आधार संख्याबल होता है, न कि राजनीतिक भ्रम।

वन मंत्री ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव तब उचित माना जाता है जब सरकार गठबंधन पर टिकी हो या बहुमत को लेकर संदेह हो, लेकिन जब सरकार स्पष्ट जनादेश और पूर्ण बहुमत के साथ कार्य कर रही हो, तब इस तरह का प्रस्ताव केवल राजनीतिक नौटंकी बनकर रह जाता है। उन्होंने कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई थी, लेकिन 2009 में उसकी सीटें घटकर 40 रह गईं और 2014 में कांग्रेस मात्र 15 सीटों पर सिमट गई तथा तीसरी बार 2024 में 37 सीटों पर आ गई।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार लगातार बनी सरकार मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बनी है, जिसे मात्र तीन महीनों के कार्यकाल में ही 36 बिरादरी का व्यापक समर्थन मिला। यह सरकार जन विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।

कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने बताया कि बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में उन्हें 60 हजार से अधिक मतों से जीत मिली, जबकि कांग्रेस ने वहां 70 हजार वोट चोरी का आरोप लगाया। इसी प्रकार रेवाड़ी में भी कांग्रेस ने 35 हजार वोट चोरी का दावा किया, जबकि भाजपा प्रत्याशी 30 हजार से अधिक मतों से विजयी हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्यभर में 5 हजार से अधिक वोट चोरी के आरोप लगाए, लेकिन जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताते हुए कांग्रेस की इन दलीलों को खारिज कर दिया।

किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए राव नरबीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस के 10 वर्षों के शासनकाल में फसल खराबी के एवज में किसानों को कुल 1158 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया, जबकि वर्तमान सरकार ने किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए 4771 करोड़ रुपये का फसल खराबी मुआवजा प्रदान किया है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि वर्तमान सरकार कथनी नहीं, बल्कि करनी में विश्वास रखती है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही की राजनीति को समझती है और कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को बार-बार नकार चुकी है।

संपादकीय

कबड्डी प्लेयर की हत्या ने खड़े किए गंभीर सवाल

पंजाब में पिछले कुछ वर्षों में खिलाड़ियों की हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। मगर जिस तरह से कबड्डी खिलाड़ी कंवरदिग्विजय सिंह उर्फ राणा बालाचौरिया की पिछले दिनों हत्या की गई, उससे कई सवाल उठे हैं। यह व्यवस्था की भी नाकामी है। इस मामले में बुधवार को एक आरोपी उस समय पकड़ा गया, जब पुलिस उसका पीछा कर रही थी। मुठभेड़ में वह घायल हो गया। बाद में उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया।इस मामले की तह में जाने और गिरोहबाजों का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस लगातार छापे मार रही है। उसने बालाचौरिया की हत्या में तीन आरोपियों की शिनाख्त की थी। दो के नाम जाहिर किए गए, लेकिन तीसरे का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया था। मारा गया बदमाश वही तीसरा आरोपी है।सवाल है कि कबड्डी प्रतियोगिताओं में दबदबा कायम करने के लिए गिरोहबाज पर्दे के पीछे से आपराधिक प्रतिस्पर्धा करने लगे हैं, तो समय रहते पुलिस-प्रशासन इस पर क्यों नहीं ध्यान दे रहा है? चिंता की बात है कि बेखौफ गिरोहबाज अपने रास्ते आ रहे या उनकी बात न मानने वाले खिलाड़ियों की हत्या तक कर दे रहे हैं। अगर समय रहते कार्रवाई हो, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।राणा बालाचौरिया ने कड़ी मेहनत कर खेल जगत में अपनी जगह बनाई थी। शुरुआत उन्होंने पहलवानी से की, लेकिन बाद में वे कबड्डी की दुनिया में चले गए, जहां वे न केवल चर्चित हुए, बल्कि इस खेल को बढ़ावा देने के लिए टीम भी बनाई।कोई भी खिलाड़ी बरसों की मेहनत और लगन से अपनी एक पहचान बनाता है। मगर यह दुखद ही है कि वे जाने-अनजाने गिरोहबाजों के चंगुल में फंस जाते हैं। कभी उनसे रंगदारी मांगी जाती है, तो उन पर कभी बेजा दबाव डाले जाते हैं।पिछले कुछ वर्षों में खेल जगत जितना चमकदार हुआ है, गिरोहबाजों ने इसे उतना ही दागदार बना दिया है। खिलाड़ी मन लगा कर खेलें और देश का नाम रौशन करें, इसके लिए जरूरी है कि सरकार उन्हें सुरक्षित माहौल दे। और गिरोहबाजों पर सख्ती से लगाम लगाए। कानून का राज दिखना चाहिए और साथ में गिरोहबाजों में कानून का खौफ भी।

भाजपा ने फिर किया नवीन प्रयोग

दिल्ली में दिसंबर की सर्दियों की सुबह कोहरे की चादर में लिपटी रहती है। कई बार तो इतनी धुंध रहती है कि करीब से भी तस्वीर साफ नहीं दिखती। इसका अर्थ यह नहीं कि तस्वीर उजली और बेहतर न हो; भरोसा इतना मजबूत नहीं होता, फिर जैसे-जैसे दिन चढ़ने लगता है, बहुत सी चीजें साफ होने लगती हैं और आपको नजारे साफ-साफ नजर आने लगते हैं। एक लंबे इंतजार के बाद जब अचानक दुनिया में सबसे बड़े राजनीतिक दल होने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी अपने नए कार्यकारी अध्यक्ष का एलान करती है, तो उस दिन भी राजनीतिक कुहासा गहरा रहता है। ऐसे अचानक कभी हुआ नहीं, पहले कभी होता नहीं था, फिर लंबे वक्त से इंतजार हो रहा था, चर्चाएं चल रही थीं, हर कोई अपने दिमाग के घोड़े दौड़ा रहा था। कुछ बड़े विद्वानों को हमेशा की तरह यह चयन पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच उलझे समीकरणों में फंसा हुआ दिख रहा था, ऐसे परिदृश्य में संगठन के लिए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के एलान की विज्ञप्ति जारी होती है राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के दस्तखत के साथ।

(विजय त्रिवेदी)

साथ ही प्रधानमंत्री और पार्टी के सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी तीन देशों की विदेश यात्रा पर रवाना हो जाते हैं। मुझे याद नहीं पड़ता कि पार्टी के सर्वोच्च पद का एलान पहले कभी ऐसे हुआ हो। आमतौर पर नए अध्यक्ष का एलान पुराने अध्यक्ष अपने साथ नए नेता को बुलाकर करते रहे हैं। फिर नाम भी राष्ट्रीय राजनीति के नजरिये से बिल्कुल नया- नितिन नवीन। बिहार सरकार में मंत्री। राष्ट्रीय या प्रदेश स्तर पर उन्होंने संगठन में कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं निभाई है। खैर, इन सब बातों का मतलब नितिन नवीन की योग्यता पर सवाल उठाना नहीं है। उन्हें तो अब अपनी योग्यता साबित करनी है और उन लोगों को मजबूती से जवाब देना है, जो इस फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि नए अध्यक्ष का पहला इम्तिहान तो कुछ महीनों में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में ही हो जाएगा, लेकिन यह उनके साथ ज्यादती होगी। इतनी जल्दी उनके इम्तिहान की जरूरत नहीं है। कोहरे से भरे दिन को खुलने दीजिए, थोड़ी धूप निकलने दीजिए।

भारतीय जनता पार्टी में इसे पीढ़ीगत बदलाव कहा जा रहा है। 45 साल के नवीन बाबू पार्टी के साथ ही बड़े हुए हैं, यानी 1980 में जन्मी बीजेपी की उम्र के अध्यक्ष। कुछ लोग इस पर ऐतराज कर सकते हैं कि उन्हें 'कार्यकारी अध्यक्ष' की जिम्मेदारी ही मिली है अभी, लेकिन मुझे वह अगले पूर्णकालिक अध्यक्ष लगते हैं, सिर्फ चुनावी औपचारिकता पूरी होने की देर है। यह पीढ़ीगत बदलाव और दिल्ली की चकाचौंध वाली राजनीति में बिहार से किसी आम कार्यकर्ता के रूप में आगे बढ़े नेता को जिम्मेदारी देने का एक साहसिक फैसला माना जा सकता है, जो हिम्मत दूसरी पार्टियां नहीं दिखा पाती। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में तो सिर्फ परिवार ही नेतृत्व है, लेकिन कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों ने भी ऐसी कोई पहल नहीं की, जबकि देश में करीब 21 करोड़ नौजवान वोटर हैं।

भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव की हवा पिछले दिनों राज्यों में बनाए गए मुख्यमंत्रियों से भी महसूस होती है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी, गोवा में प्रमोद सावंत, असम में हिमंता बिस्वा सरमा, राजस्थान में भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, दिल्ली में रेखा गुप्ता जैसे नाम इस लिहाज से गिनाए जा सकते हैं। इसलिए नितिन नवीन की काबिलियत पर सवाल खड़े करना बेमानी-सा है। हो सकता है कि वह पार्टी को किसी दूसरे स्तर पर ले जाएं, जैसे अमित शाह के कार्यकाल में भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई, बल्कि अपने दम पर वह लोकसभा में 303 सांसदों वाली पार्टी भी बन गई। सन् 1984 में दो सांसदों से साल 2019 में 303 सांसदों की ताकत!

बहरहाल, कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पिछले छह महीने से 20 युवाओं पर काम कर रही थी, उसमें से पांच को 'शॉर्टलिस्ट' किया गया था और फिर नवीन बाबू के नाम पर मुहर लगी, क्योंकि उन्होंने छत्तीसगढ़ चुनाव में अच्छा काम किया था। कुछ कयासबाजों के मुताबिक, नवीन का चयन उन लोगों को करारा जवाब है, जो बिहार

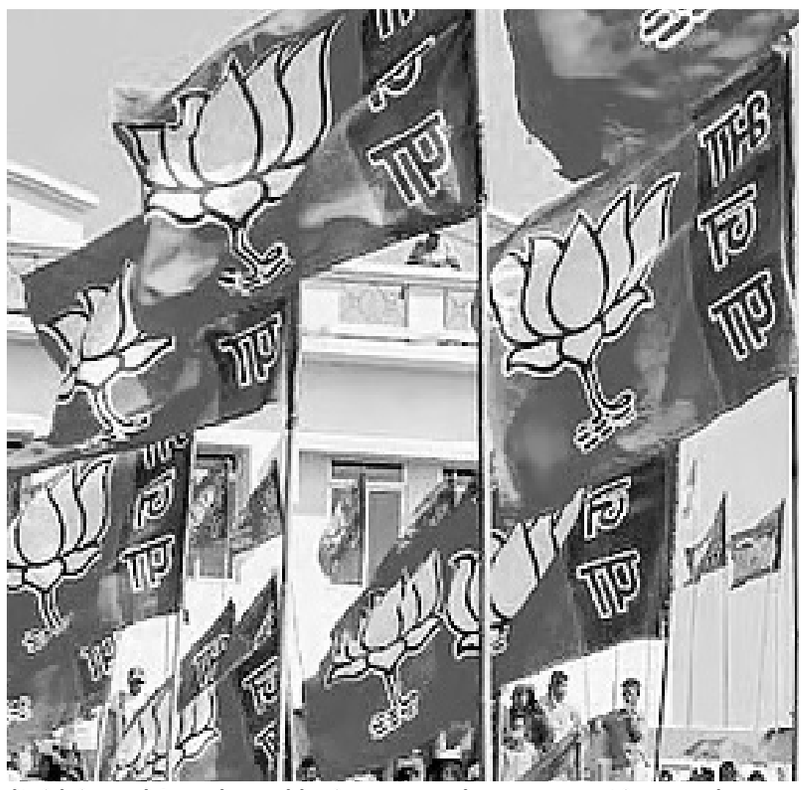

में बीजेपी का कोई बड़ा नेता न होने की बात करते रहे हैं। इस दलील को मानने में कोई हर्ज नहीं, लेकिन ऐसा ही था, तो फिर सरसंघचालक मोहन भागवत ने क्यों कहा कि हमें अध्यक्ष तय करना होता, तो इतना समय लगता क्या? अगर नवीन बाबू का चयन हो ही गया था, तो महीने भर पहले उन्हें बिहार में मंत्री क्यों बनाया गया, कम से कम उप-मुख्यमंत्री बनाए जाते?

आशंकावीर यह तक संदेह जता रहे कि पीढ़ीगत बदलाव के बहाने क्या मौजूदा नेतृत्व अपने समकालीन ताकतवर नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में धकेलने की कोशिश तो नहीं कर रहा, ताकि किसी चुनौती का संकट नहीं रहे? वैसे भी, लोकतंत्र का मायने चुनाव होता है, चयन नहीं। यह प्रक्रिया अब दूसरी पार्टियों की तरह बीजेपी में भी लगभग बंद हो गई है। अब सामूहिक नेतृत्व की बात दिखावे के लिए भी नहीं होती, एक ही ब्रह्म है। एक नेता, एक आदेश। संसदीय बोर्ड की बैठकों और संसदीय दल व विधायक दलों की बैठकों में नेता के चुनाव की औपचारिकता को खत्म कर दिया गया है। पार्टी के पर्यवेक्षक बैठक में पर्ची खोलकर आलाकमान के फरमान को सुनाते हैं। कई बार तो शायद पर्ची खोलने वाले को भी उसके भीतर लिखे नाम का पता नहीं होता। यह सच है कि प्रयोगधर्मिता नेतृत्व की ताकत होती है और उसमें गलती की गुंजाइश बनी रहती है, लेकिन गलती पर सवाल उठाने की जगह नहीं बचे, तो अनुशासन और मनमानी के बीच की बारीक रेखा धुंधली हो जाती है।

नए अध्यक्ष नितिन नवीन को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले अपनी टीम बनानी है। जाहिर है, यह काम प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर ही पूरा करना होगा। क्या वह अपनी टीम में अपने से ज्यादा अनुभवी और बेहतर लोगों को शामिल करेंगे, ताकि पार्टी को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिले? नवीन बाबू के लिए कई बॉस हैं, प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह के अलावा जे पी नड्डा और संघ परिवार, क्या इन सबकी परिक्रमा से समय निकाल पाएंगे वह संगठन के लिए? यह हिम्मत और फैसला उनकी जगह तय करेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हम बढ़ती भीड़ को गुस्से और भगदड़ से कैसे बचाएंगे

(विवेक शुक्ला)

महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान साल्ट लेक स्टेडियम में भारी अराजकता के बाद मन में अजीब तरह का भय था कि कहीं कोलकाता वाली स्थिति बाकी जगहों पर भी न हो जाए। मगर मेसी के हैदराबाद, मुंबई और राजधानी दिल्ली के सब कार्यक्रम सही तरीके से संपन्न हो गए। इससे देश के करोड़ों खेल प्रेमियों ने निस्संदेह राहत की सांस ली होगी।

मेसी जैसे खिलाड़ी दशकों के बाद देखने को मिलते हैं। वह पेले और माराडोना के मेयार के खिलाड़ी हैं। उनके कार्यक्रम में घोर अराजकता फैलना शर्मनाक है। इससे पहले जून 2025 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल जीत के जश्न में भगदड़ जैसी स्थिति में कई लोगों की मौत हो गई थी। ये घटनाएं भारत में बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या हम वाकई ऐसे आयोजनों के लिए तैयार नहीं हैं? यह सवाल तब पूछा जा रहा है, जब हमने 1982 में एशियाई और 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों का सफल आयोजन किया है।

खेल आयोजनों में भीड़ प्रबंधन का मतलब है प्रवेश, निकास, सुरक्षा जांच, आपातकालीन योजना और प्रशंसकों के व्यवहार की निगरानी, लेकिन भारत में ये सभी क्षेत्र कमजोर हैं। आयोजक अक्सर मोटी कमाई के चक्कर में टिकटों की ओवर-बुकिंग करते हैं, जिससे क्षमता से अधिक लोग पहुंच जाते हैं। भारत में खेल आयोजन ही नहीं, धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भी भीड़ प्रबंधन की समस्याएं स्पष्ट

हैं। 2010 में दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान अव्यवस्था की शिकायतें आई थीं, पर तब मामला कोई बहुत बड़ा नहीं था। कुंभ मेला या रथ यात्रा जैसे आयोजनों में तो भगदड़ मचती रही हैं। कारण वही हैं- अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, खराब योजना और प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी। खेल आयोजनों में, खेल संघ जैसी संस्थाएं जिम्मेदारी से बचती दिखती हैं, जबकि बोझ स्थानीय प्रशासन पर डालती हैं।

अफसोस कि भारत में भीड़ प्रबंधन को आधुनिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाता। अमेरिका और ब्रिटेन के खेल आयोजनों में भीड़ प्रबंधन के लिए एआई-आधारित निगरानी और सीसीटीवी का उपयोग होता है। वहां स्टेडियम की क्षमता का सख्ती से पालन किया जाता है, और आपातकालीन ड्रिल अनिवार्य है। भारत में पुराने स्टेडियमों, जैसे ईडन गार्डन्स या चिन्नास्वामी में आधुनिक सुविधाएं कम हैं। इसके अलावा, प्रशंसक भी सीमाओं को लांघने लगते हैं। भारतीय प्रशंसक उत्साही हैं, लेकिन कभी-कभी अनियंत्रित हो जाते हैं। हालांकि, कुसूर सिर्फ प्रशंसकों का नहीं है। यह जिम्मेदारी आयोजकों की है कि वे अपेक्षाओं को प्रबंधित करें और पारदर्शिता बरतें। यहां सरकारी और संस्थागत स्तर पर भी कमियां हैं। खेल मंत्रालय और राज्य सरकारें बड़े आयोजनों के लिए दिशा-निर्देश जारी करती हैं, लेकिन उनका पालन नहीं होता।

तो, क्या हम बड़े आयोजनों के लिए अक्षम हैं? पूरी तरह से नहीं। भारत ने 2011 क्रिकेट विश्व कप और 2023 ओडिशा हॉकी विश्व कप सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण यहां तैयारियां बेहतर थीं। सामान्य आयोजनों में, जैसे आईपीएल या स्थानीय मैचों में, कभी-कभार समस्याएं पेश आती हैं। जबकि, भीड़ प्रबंधन की विफलता न केवल जान-माल की हानि करती है, बल्कि खेल की लोकप्रियता को भी प्रभावित करती है।

साफ है, हमें राष्ट्रीय स्तर पर भीड़ प्रबंधन की नीति बनानी होगी, जिसमें स्टेडियम के लिए मानक निर्धारित करने होंगे। एआई और ड्रोन का उपयोग निगरानी के लिए किया जाना चाहिए। आयोजकों को लाइसेंस से पहले सुरक्षा योजना जमा करनी चाहिए। प्रशंसकों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, साथ ही पुलिस और सुरक्षा कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। बेशक, भगदड़ जैसी घटनाएं भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियों को उजागर करती हैं, पर हम अक्षम नहीं हैं। लाभ से अधिक हम सुरक्षा पर ध्यान दें, तो हम तमाम आयोजन निर्विघ्न कर सकते हैं। यह समय सबक सीखने और बदलाव लाने का है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5948

संकेतः बाएं से दाएं

1. 23 अप्रैल 1990 को यह देश संयुक्त राष्ट्रसंघ का 160 वां सदस्य बना (4)
5. वेस्टइंडिज के ग्रेटर एंटीलीज समूह का एक द्वीप जिसकी राजधानी किंग्सस्टन है (3)
7. दक्षिण पवन, चंदन, मलयानित (4)
8. फूलों आदि का गुथा हार (2)
9. राशि, प्रकार, जेवर (3)
11. उष्णता, गरमाहट, तपन (2)
13. कुशल, निपुण (2)
15. निशाचर, रजनीचर, राक्षस, दानव (4)
17. उचित, मुनासिब, शाइस्ता (3)
19. आकाश, गगन, अंबर, व्योम (4)
20. मिट्टी खोदने का एक फावड़ानुमा औजार (3)
21. फलों को पकाने की एक विधि (2)
22. तड़क-भड़क, ठाट-बाट (2)
23. लटकने वाला हाशिया (3)
25. मार्ग, रोड (2)
26. मक्के की एक इमारत जिसे मुस्लिम ईश्वर का घर मानते है (2)

ऊपर से नीचे

1. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लिया गया हो (4)
2. दूरी नापने की प्राचीन इकाई (2)
3. जौ के रस को सड़ाकर बनाया गया शीतल पेय जो मद्य की संज्ञा में आता है (3)
4. यज्ञ कराने वाला या करने वाला (3)
5. एकत्रित, इकट्ठा (2)
6. फणीश्वर नाथ रेणु का प्रतिनिधि उपन्यास जिसका प्रथम प्रकाशन 1954 में हुआ था (5)
10. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
12. एक महर्षि एंव आयुर्वेद विशारद के रूप में विख्यात जो कुषाण राज्य के राजवैद्य थे (3)
14. क्षमा देने का भाव, अनुग्रह, दरगुजारी (4)
16. गुलुबंद को यह भी कहते है (4)
18. तट, किनारा (2)
20. कुश की नोक के समान, नुकीला (3)
21. पालने या भरण-पोषण करने वाला (3)
23. वृक्ष, तरू, पेड़ (2)
24. वृहत्तर एंटिलीज का सबसे बड़ा द्वीप जिसकी राजधानी हवाना है (2)

वर्ग पहेली 5947 का हल

ब	द	रू	द्दी	न	■	स	भा
द	म	क	■	म	क	बू	ल
ला	■	ना	म	क	■	त	■
व	य	■	■	ह	ज	■	स
आ	ल	म	आ	रा	■	सा	ला
ना	गा	■	रा	म	न	व	मी
■	र	ह	म	■	गा	धि	■
■	■	नु	■	बा	ड़ा	■	■

संतुलन से ही शांति

(श्रीश्री आनंदमूर्ति)

सृष्टि की अभिव्यक्ति तीन स्तरों पर होती है- स्थूल, सूक्ष्म और कारण। स्थूल जगत वह है, जिसे हम अपनी इंद्रियों से अनुभव करते हैं, जैसे प्रकृति, शरीर और भौतिक वस्तुएं। यह संसार परम पुरुष की ही अभिव्यक्ति है और उनकी मधुरता से परिपूर्ण है। इसके पीछे जो सूक्ष्म जगत है, वह विचार, भावना, संवेदना और चेतना का क्षेत्र है। जो कुछ हमें भीतर से प्रेरित करता है, जो सोचने-समझने और अनुभव करने की शक्ति देता है, वही सूक्ष्म जगत है। यह परम पुरुष के और गहरे माधुर्य की झलक है।

इन दोनों के मूल में कारण जगत स्थित है। यही वह स्तर है, जहां से सृष्टि की सारी संभावनाएं जन्म लेती हैं। कारण जगत में परम पुरुष का रूप अत्यंत कोमल, शांत और आनंदमय है। उनका हंसता हुआ रूप उनकी इच्छा के अनुसार निरंतर परिवर्तनशील रहता है और पूरे ब्रह्मांड में दिव्य प्रकाश और चेतना का प्रसार करता है। परम पुरुष ही तीनों लोकों के मूल कारण और बीज हैं। जो कुछ भी अस्तित्व में है, वह उसी एक सत्ता से उत्पन्न हुआ है और अंततः उसी में विलीन हो जाता है।

इस ब्रह्मांड में दूसरी कोई सत्ता नहीं है, जिसके आगे मनुष्य अपना सब कुछ अर्पित कर सके। जब मनुष्य स्वयं को सिर्फ सांसारिक सुखों के हवाले कर देता है, तो अंत में उसका जीवन खालीपन, अशांति और असंतोष से भर जाता है। सांसारिक उपलब्धियां क्षणिक आनंद तो दे सकती हैं, पर स्थायी सुख नहीं दे सकतीं। स्थायी सुख तभी संभव है, जब मनुष्य स्वयं को परम पुरुष को समर्पित करे। यह समर्पण किसी प्रकार की कमजोरी नहीं, बल्कि अहंकार से मुक्ति का मार्ग है। जब मनुष्य अपने सीमित 'मैं' को छोड़कर विराट सत्ता से जुड़ता है, तभी उसके जीवन में सच्चा संतुलन आता है।

सभी गतियों, प्रयासों और खोजों का अंतिम बिंदु वही परम पुरुष हैं। जीवन की हरेक यात्रा, चाहे वह भौतिक हो या आध्यात्मिक, अंततः उसी केंद्र की ओर जाती है। मानसिक और आध्यात्मिक साधना के मार्ग को चार चरणों में समझा जा सकता है- यतमान, व्यतिरेक, एकेंद्रिय और वशीकरण। जब मन कभी स्थूल और कभी सूक्ष्म की ओर भटकता रहता है, तब वह यतमान अवस्था में होता है। यह खोज और अस्थिरता की स्थिति है, जहां साधक सही दिशा की तलाश में रहता है।

जब मनुष्य लाभ-हानि से ऊपर उठकर आंतरिक आनंद की ओर बढ़ने लगता है, तब व्यतिरेक अवस्था में प्रवेश करता है।

आज का राशिफल

मेष

आज के दिन जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। ऐसे में किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था से कर्ज लेने से पहले अच्छी तरह से सोच समझकर लें। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और अच्छे मित्र भी बढ़ेंगे। हालांकि, आपको फिजूल के खर्चों से बचना होगा। आज पत्नी पक्ष से पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृष

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहने वाला है। ऐसे में अधिक भागदौड़ में सावधानी बरतें। पैर में चोट लगने का भय दिख रहा है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं से आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति भी होगी। किसी काम में निवेश करना पड़े तो दिल खोलकर करें, आगे चलकर उसका भरपूर लाभ मिलेगा।

मिथुन

आज के दिन शारीरिक कष्ट की वृद्धि झेलनी पड़ सकती है। आज आपके सामाजिक क्रियाकलापों में अड़चन आ सकती हैं। मां लक्ष्मी की कृपा से अचानक लाभ मिल सकता है। इससे आपकी धर्म, अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

कर्क

भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम और विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आप अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे। माता-पिता का आज विशेष ध्यान रखें।

सिंह

आज का दिन मिलाजुला परिणाम देने वाला रहेगा। मानसिक अशांति के कारण आप आज के दिन परेशान रह सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत दिख रहे हैं।

कन्या

आज आपके अंदर निर्भीकता का भाव रहेगा। साहस के दम पर आप कठिन कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में धन लाभ का योग बन रहा है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा।

तुला

आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक रहने वाला है। आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। संपत्ति से जुड़ी कोई खुशखबरी भी सुनने को मिल सकती है। दूसरों की भलाई और सेवा में दिन का कुछ समय व्यतीत हो सकता है। दशम आय भाव में बृहस्पति कर्क राशि का होकर विराजमान हैं। ऐसे में आज अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखना आपके लिए शुभ साबित होगा।

वृश्चिक

आज के दिन आपका मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास लाभहीन साबित हो सकते हैं। सायंकाल तक हालात थोड़े सामान्य होंगे। आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यदि कोई वाद विवाद राज्य में लंबित है तो उसमें सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु

आज आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। शाम के समय पेट से जुड़ी कोई समस्या आपको परेशान कर कती है। विकार होने की संभावना है।

मकर

आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा। आज के दिन रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इन्वेस्ट करने से भविष्य में लाभ होगा।

कुंभ

आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही खर्च करें। आपको अपने पारिवारिक जनों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है।

मीन

आज बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे सम्बन्ध बनाने की कोशिश करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

कर्ज में फंसी कंपनी को राहत, 3300 करोड़ का हुआ इंतजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयर कल शुक्रवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने आज गुरुवार को कहा कि उसकी सब्सिडियरी वीआईटीआईएल ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 3,300 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि इस रकम का इस्तेमाल वीआईटीआईएल वोडाफोन आइडिया को अपने भुगतान दायित्व चुकाने के लिए करेगी और इससे दूरसंचार परिचालक को अपने पूंजी व्यय को बढ़ाने और व्यवसाय विकास को समर्थन करने में मदद मिलेगी। वोडाफोन आइडिया के शेयर आज गुरुवार को करीबन 2 पर्सेंट तक चढ़कर 11.33 रुपये पर बंद हुए। बयान में कहा गया है, ''वोडाफोन आइडिया ने आज अपनी अनुषंगी कंपनी वोडाफोन आइडिया टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा जारी गैर-सूचीबद्ध, गैर-वर्गीकृत, सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 3,300 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाने की घोषणा की।'' इधर, एयरटेल में मैनजमेंट लेवल पर बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी के मौजूदा प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्टल आगामी एक जनवरी से पदोन्नत होकर कार्यकारी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। एयरटेल ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विट्टल की जगह शाश्वत शर्मा कंपनी के नए एमडी एवं सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह विट्टल को रिपोर्ट करेंगे। इसके अलावा कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सोमेन रॉय पूरे भारती समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह चार साल से अपने मौजूदा पद पर हैं। उनकी जगह मौजूदा वित्त नियंत्रक एयरटेल के नये सीएफओ होंगे। भारती एयरटेल के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने कहा, मैं एयरटेल में नेतृत्व के उत्तराधिकार और परिवर्तन से अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि गोपाल और शाश्वत दोनों इस गति को आगे बढ़ाते रहेंगे।

भारत-अमेरिका ने घटाई, जापान के सेंट्रल बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के सेंट्रल बैंक बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे देश में ब्याज दरें तीन दशक में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। बैंक ने साथ ही यह भी संकेत दिया है कि वह अगले साल के बाद भी ब्याज दरें बढ़ा सकता है। यह कदम दशकों से चल रहे बड़े मौद्रिक समर्थन और लगभग शून्य उधार लागत को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले आरबीआई और फिर अमेरिका के फेड रिजर्व ने हाल ही में ब्याज दरों में कटौती की थी। जापान दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। बैंक ऑफ जापान का मानना है कि जापान अब स्थिर रूप से अपने 2 प्रतिशत महंगाई लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। यह वेतन वृद्धि के कारण संभव हुआ है। इसलिए, बैंक मौद्रिक नीति को सामान्य बनाने के लिए तैयार है। बैंक ने एक बयान में कहा, नीति में बदलाव के बाद भी वास्तविक ब्याज दरें काफी नकारात्मक रहने की उम्मीद है और आसान वित्तीय स्थितियां आर्थिक गतिविधियों को मजबूती से समर्थन देना जारी रखेंगी।

'जी राम जी' से मिलेगी देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को रफ्तार?

नई दिल्ली, एजेंसी।
विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक, 2025 गुरुवार को लोकसभा में पास हो गया। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा। वीबी-जी राम जी विधेयक का उद्देश्य 125 दिनों के वेतन रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करके विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करना है। उम्मीद की जा रही है कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सीन चेंज हो जाएगा। इसका फायदा पूरे देश को मिलेगा। आइए, यहां इसके तमाम पहलुओं को समझते हैं। 125 दिनों के गारंटीकृत रोजगार का अधिकार मिलेगा। एक बड़ा बदलाव एग्री-पॉज के रूप में आया है। इसमें बुवाई और कटाई के पीक सीजन के दौरान साल में कुल 60 दिनों तक सरकारी काम बंद रहेगा। इसका उद्देश्य कृषि कार्यों के लिए मजदूरों की कमी को रोकना है ताकि खेती और सरकारी रोजगार के बीच टकराव न हो। मजदूरों को उनकी मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर या अधिकतम 15 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत होने वाले कार्यों को चार मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है: जल सुरक्षा, ग्रामीण सड़कें, बाजार व भंडारण जैसे आजीविका इन्फ्रास्ट्रक्चर और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले काम। इन सभी संपत्तियों का रिकॉर्ड विकसित भारत नेशनल रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर स्टैक नाम के नेशनल डेटाबेस में रखा जाएगा।

मनरेगा की जगह जी राम जी, 100 के बदले 125 दिन का रोजगार

विकसित भारत-जी राम जी 2005 से चले आ रहे मनरेगा कानून की जगह लेगा। सरकार का तर्क है कि पिछले दो दशकों में ग्रामीण भारत की आर्थिक स्थिति, डिजिटलीकरण और कनेक्टिविटी में भारी बदलाव आया है। ऐसे में पुराने ढांचे में सुधार के बजाय एक नया वैधानिक ढांचा जरूरी था। यह बिल ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के विजन से जोड़ता है। इसका उद्देश्य केवल गड्ढे खोदना नहीं बल्कि टिकाऊ बुनियादी ढांचा तैयार करना है।

स्मगलिंग वाली या नकली सिगरेट बेच रहे थे

कोरियाई कंपनी ईएसएसई की शिकायत पर देश भर में छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली एनसीआर के पान एवं सिगरेट शॉप पर आप आसानी से कोरियाई सिगरेट ब्रांड ईएसएसई को पा सकते हैं। चाहे नई दिल्ली का कनॉट प्लेस हो या नोएडा की फिल्म सिटी, कोरिया के इस सिगरेट ब्रांड की बिक्री खुले आम हो रही है। ये सिगरेट वैध रूप से नहीं बल्कि अवैध रूप से बिक रहे हैं। ये या तो अवैध हैं या स्मगल कर लाए गए हैं।

आपको पता है कि पान शॉप पर बिक रहे कोरयाई ईएसएसई सिगरेट लीगल रूप से नहीं बिक रहे हैं। यह सिगरेट या तो स्मगलिंग के जरिये लाई गई है या ये नकली हैं। जी हां, अब इस कोरियाई सिगरेट कंपनी के ब्रांड के नाम पर हो रही नकली सिगरेट की बिक्री को रोकने के लिए देश भर में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। कल ही दिल्ली एनसीआर में 14 थोक विक्रेताओं के यहां छापा मारा गया और लाखों सिगरेट जब्त किए गए। कल यानी गुरुवार, 18 दिसंबर को दिल्ली और एनसीआर में कुल 14 स्थानों पर एकसाथ छापेमारी कर नकली सिगरेट के सप्लाई चेन को ब्रेक करने का प्रयास किया गया। दिल्ली

हाई कोर्ट के आदेश पर कोरिया की कंपनी केटी एंड जी तथा उसके भारतीय पार्टनर एसएस राणा एंड कंपनी ने एनफोर्समेंट अधिकारियों संग मिलकर 14 थोक विक्रेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान नकली ईएसएसई ट्रेडमार्क वाले सभी उत्पादों को जब्त कर लिया गया। विक्रेताओं के पास इन नकली उत्पादों से संबंधित कोई रिकार्ड ही नहीं था। कोरियन कंपनी ने दिल्ली समेत एनसीआर में उसके ट्रेडमार्क का दुरुपयोग कर नकली उत्पादों की सप्लाई करने वाले कुल 14 आरोपियों के खिलाफ हाई कोर्ट में केस दायर किया था।

अन्य स्थानों पर भी पड़ेगें छापे

एसएस राणा एंड कंपनी की तरफ से बताया गया कि इसी मामले में कोर्ट के निर्देश पर ही दिल्ली समेत एनसीआर में छापेमारी की कार्रवाई की गई। नकली तंबाकू उत्पादों के बढ़ते प्रसार को देखते हुए अब जल्द ही मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में भी ऑपरेशन चलाए जाएंगे। केटी एंड जी एचक्यू के आईपी डिवीजन के निदेशक यंग-हुन किम ने कहा कि हम ईएसएसई ट्रेडमार्क का दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उपभोक्ता भारत में असली ईएसएसई उत्पादों पर भरोसा कर सकें। एसएस राणा एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर विक्रांत राणा ने कहा कि भारत में गैर-कानूनी और नकली सिगरेट का बढ़ना एक गंभीर चुनौती है जो सरकारी रेवेन्यू को कम करता है।

सरकार से हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए 1700 करोड़ की डील

नई दिल्ली, एजेंसी।
इंफ्रास्ट्रक्चर-कंस्ट्रक्शन कंपनी पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान 2 पर्सेंट तक चढ़ गए और 31.32 रुपये पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, कंपनी ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ 144 मेगावॉट के गोंगरी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को दोबारा शुरू करने के लिए समझौता किया है। कंपनी के मुताबिक, इस हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर करीब 1,700 करोड़ की लागत आएगी और इसके निर्माण में लगभग चार साल का समय लगेगा।

कंपनी ने गुरुवार, 18 दिसंबर को बताया कि यह प्रोजेक्ट पहले रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब राज्य सरकार की नई नीति अरुणाचल प्रदेश में विशेष परिस्थितियों में समाप्त की गई वृहद जलविद्युत नीति की बहाली, 2025 के तहत इसे फिर से मंजूरी मिली है। खास बात यह है कि गोंगरी प्रोजेक्ट इस नई नीति के तहत बहाल होने वाला राज्य का पहला हाइड्रो प्रोजेक्ट है, जिसे राज्य कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर कविता शिरवाइकर ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की रिन्यूएबल एनर्जी और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट से न सिर्फ इलाके की जलविद्युत क्षमता का बेहतर

इस्तेमाल होगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और आर्थिक फायदे भी मिलेंगे।

क्या है डील

समझौता ज्ञापन के तहत पटेल इंजीनियरिंग इस प्रोजेक्ट की पूरी ज़िम्मेदारी संभालेगी। इसमें डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, इंजीनियरिंग और डिजाइन, जरूरी मशीनरी की खरीद, डैम और पावरहाउस का निर्माण, टर्बाइन और जनरेटर की इंस्टॉलेशन, साथ ही ट्रांसमिशन लाइन तैयार करना शामिल है। यह प्रोजेक्ट बूट मॉडल यानी बिल्ड-आन-ऑपरेट-ट्रांसफर के तहत बनेगा, जिसमें 40 साल तक कंपनी इसे चलाएगी और उसके बाद यह संपत्ति अरुणाचल प्रदेश सरकार को सौंप दी जाएगी। अरुणाचल प्रदेश सरकार हाइड्रोपावर सेक्टर को राज्य की अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार बनाना चाहती है।

टाटा के शेयर को मिला डबल अपग्रेड

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टॉस लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। वोल्टॉस के शेयर गुरुवार को बीएसई में 2 पर्सेंट से ज्यादा के उछाल के साथ 1418.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। ब्रोकरेज फर्म बीओएफए सिक्योरिटीज ने टाटा ग्रुप की इस कंपनी के लिए डबल अपग्रेड जारी किया है और कंपनी के शेयरों का टारगेट प्राइस 24 पर्सेंट बढ़ा दिया है। बीओएफए सिक्योरिटीज, बैंक ऑफ अमेरिका की ग्लोबल कॉरपोरेट और इनवेस्टमेंट बैंकिंग डिवीजन है। वोल्टॉस के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1859.65 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1135.55 रुपये है। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर पिछले कुछ समय से दबाव में हैं। वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर इस साल अब तक 22 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। वोल्टॉस लिमिटेड के शेयर 1 जनवरी 2025 को 1826.95 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2025 को 1418.35 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 19 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 6 महीने में वोल्टॉल के शेयरों में करीब 10 पर्सेंट का उछाल आया है। वोल्टॉस लिमिटेड का मार्केट कैप गुरुवार को 46,930 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

दावा निपटान में लापरवाही पड़ी महंगी, केयर हेल्थ पर इरडा का एक करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा दावों के निपटान में पारदर्शिता और समयबद्धता को लेकर नियामक सख्त हो गया है। पॉलिसीधारकों के हितों की अनदेखी और गंभीर खामियां सामने आने पर भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी इरडा ने केयर हेल्थ इंश्योरेंस पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई निरीक्षण के बाद सामने आई कमियों के आधार पर की गई है। इरडा की जांच में पाया गया कि केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने दावा निपटान, शिकायत निवारण और सूचना देने की प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया। कई मामलों में पॉलिसीधारकों को उनके अधिकारों की पूरी जानकारी नहीं दी गई। नियामक ने कंपनी को चेतावनी और सुधार के निर्देश भी जारी किए हैं। जांच में सामने आया कि जब पॉलिसीधारकों की शिकायतें उनके पक्ष में हल नहीं हुईं, तब भी कंपनी ने उन्हें बीमा लोकपाल के पास जाने के अधिकार की जानकारी नहीं दी। लोकपाल का नाम और पता भी साझा नहीं किया गया। इससे पॉलिसीधारकों को उचित मंच तक पहुंचने में दिक्कत हुई। इरडा ने पाया कि शिकायत निवारण और दावा अस्वीकृति पत्रों में केवल ग्राहक सेवा का संपर्क विवरण, ईमेल आईडी और एक अस्पष्ट हाइपरलिंक दिया गया था। स्पष्ट दिशा-निर्देश न होने से पॉलिसीधारकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा और वे प्रभावी शिकायत तंत्र तक नहीं पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान साइबर सुरक्षा, पुनर्बीमा लेखांकन और बिना दावे वाली राशियों के प्रबंधन में भी कमियां पाई गईं। केयर हेल्थ ने तय समय में साइबर सुरक्षा से जुड़ी खामियों को दूर नहीं किया। इरडा ने साफ कहा कि दावों में पारदर्शिता और पॉलिसीधारकों से समय पर संवाद अनिवार्य है। नियामक के मुताबिक, इस तरह की रणनीति से पॉलिसीधारकों के अधिकार प्रभावित होते हैं और भरोसा कमजोर पड़ता है।

मुकेश अंबानी की झोली में एक और कंपनी, रिलायंस ने इस कंपनी में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की स्वस्थ्य कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने तमिलनाडु की जानी-मानी फूड कंपनी उदयम्स एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में बहुमत हिस्सेदारी खरीद ली है। कंपनी ने गुरुवार को इस डील की आधिकारिक घोषणा की। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चेन्नई स्थित उदयम्स में कंट्रोलिंग स्टेक लेने को लेकर रिलायंस कंज्यूमर के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। हालांकि इस सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है। तीन दशक से भी ज्यादा समय पहले शुरू हुई उदयम्स एग्रो फूड्स आज करीब 668 करोड़ के कारोबार वाली कंपनी मानी जाती है। कंपनी का मजबूत दखल स्टेपल फूड, स्नैक्स और रेडी-टू-कुक ब्रेकफास्ट प्रोडक्ट्स में है। इसके पोर्टफोलियो में चावल, दालें, मसाले, स्नैक्स और इडली बैटर जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं। तमिलनाडु और आसपास के राज्यों में उदयम्स का वितरण नेटवर्क काफी मजबूत है और ब्रांड की पहचान घर-घर तक बनी हुई है। जॉइंट वेंचर के तहत रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के पास कंपनी की कंट्रोलिंग हिस्सेदारी होगी, जबकि उदयम्स के मौजूदा प्रमोटर्स अल्पांश हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

आरसीपीएल के डायरेक्टर टी. कृष्णकुमार ने कहा कि उदयम्स ऐसा ब्रांड है जिसे किसी परिचय की जरूरत नहीं है। यह दशकों से लोगों को हेल्दी और क्वालिटी फूड दे रहा है और तमिलनाडु की समृद्ध परंपरा व गुणवत्ता का सच्चा उदाहरण है। वहीं उदयम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर एस. सुधाकर ने कहा कि रिलायंस के साथ यह साझेदारी कंपनी के लिए एक नए दौर की शुरुआत है।

सरकार चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने पर कर रही विचार, उद्योग की चिंता पर बोले खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी।
जनवरी महीने के दौरान गन्ने के बकाया भुगतान में इजाफे की आशंका को देखते हुए सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने और अन्य उपायों पर विचार कर रही है। उद्योग की ओर से चिंता जाहिर किए जाने के बाद खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने गुरुवार को यह बात कही।

इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने कहा है कि गन्ने का बकाया बढ़ता जा रहा है और 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में यह 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आईएसएमए के अनुसार बचे हुए स्टॉक, उत्पादन की ऊंची लागत, इथेनॉल का कम आवंटन, घरेलू कीमतों में गिरावट और वैश्विक स्तर पर अधिक आपूर्ति के कारण मिलें नकदी संकट से जूझ रही हैं।

आईएसएमए की वार्षिक आम बैठक के दौरान चोपड़ा बोले, उन्होंने (आईएसएमए) हमें बताया है कि गन्ने के बकाया भुगतान से जुड़ी समस्या जनवरी के मध्य से शुरू होगी। हम इस समयसीमा से अवगत हैं और इस पर

काम कर रहे हैं। अगले एक महीने में हम कुछ ऐसे फैसले लेंगे जिनसे उद्योग को मदद मिलेगी और किसानों को समय पर भुगतान भी सुनिश्चित होगा। सरकार किसानों को राहत देने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। इन उपायों में एमएसपी में संशोधन, 15 लाख टन के मौजूदा स्तर से अधिक निर्यात की अनुमति देना और इथेनॉल के लिए अधिक आवंटन शामिल है।

फरवरी 2019 से चीनी का एमएसपी 31 रुपये प्रति किलोग्राम से नहीं बदला है। आईएसएमए ने इसे संशोधित करके 41.66 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग की है। यह स्वीकार करते हुए कि अतिरिक्त चीनी इस वर्ष एक चुनौती है, चोपड़ा ने कहा, हम सक्रिय रूप से उन सभी पर विचार कर रहे हैं और उम्मीद है कि सभी हितधारकों के हित में, हम ऐसे समाधान लेकर आएंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि चीनी उद्योग के सभी हितधारकों को उनका उचित हक मिले।

देश में गन्ने की अधिक पैदावार के चलते 2025-26 के सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी का उत्पादन 34.3 मिलियन टन रहने का अनुमान है। गन्ने या चीनी से बने गुड़ से इथेनॉल का आवंटन केवल 28 प्रतिशत रहा है, इसलिए लगभग 3.4 मिलियन टन चीनी को इथेनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमने सोचा था कि यह अधिक होगा, लेकिन अब हमारे सामने ऐसी स्थिति है जहां यह केवल 34 लाख टन है। सरकार ने उद्योग की मदद के लिए पहले ही 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी है। चोपड़ा ने कहा कि निर्यात समता फिलहाल एक मुद्दा है, लेकिन अगले महीने ब्राजील में चीनी उत्पादन का सीजन खत्म होने के बाद इसमें सुधार होने की उम्मीद है, जिससे मिलें लाभप्रद रूप से स्टॉक बेच सकेंगी। उन्होंने कहा, हम इस बात से भली-भांति अवगत हैं कि अतिरिक्त स्टॉक जमा नहीं होना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि अगला गन्ना सीजन और भी बेहतर होगा।

HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI VIBHAG

NOTICE INVITING E-TENDER

Online bids on item rates basis are invited by the Executive Engineer Jal Shakti Division Baddi on behalf of Governor of Himachal Pradesh in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the contractors/firms of appropriate class enlisted with H.P. Jal Shakti Vibhag.

S/ No.	Description	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender Form	Time Limit
1.	R/M of various LWSS under JSV Section Barotiwala Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year) (1) LWSS Satiwala (2) Mandhala 1st and 2nd (3) LWSS Bagguwala (4) LWSS Plankhwala.	1297186/-	25944/-	500/-	One Year
2.	R/M of various LWSS under JSV Section Baddi Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year). (1) LWSS Billanwali (2) T/Well Dakhnumajra (3) LWSS Baddi (4) T/ Well Lehi (5) LWSS Landewal Kalyanpur.	1703304/-	33050/-	500/-	One Year
3.	R/M of various LWSS under JSV Section Barotiwala Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year) (1) LWSS Balyana (2) LWSS Johranpur (3) LWSS Kallaranwali.	1067849/-	21357/-	500/-	One Year
4.	R/M of various LWSS under JSV Section Barotiwala Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year) (1) LWSS Barotiwala (2) Kharota Gurdaspura 1st and 2nd stage (3) LWSS Dasoramajra (4) LWSS Baluana.	1500245/-	30004/-	500/-	One Year
5.	R/M of various LWSS under JSV Section Sai Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year). (1) LWSS Abherni Goela Panner 1st & 2nd stage (2) LWSS Baldoo Khad 1st stage & 2nd stage (3) LWSS Sai.	1297186/-	25944/-	500/-	One Year
6.	R/M of various LWSS under JSV Section Sai Sub Division Baddi District Solan (HP) (SH: Outsource service of labour for smooth operation and running of pumping machinery for one year). (1) LWSS Amroo Bawasni 1st and 2nd stage (2) LWSS Khali Sunani.	864792/-	17296/-	500/-	One Year

KEY DATES SHALL BE AS UNDER: -

I	Site Visit	**18-12-2025 to 26-12-2025 on working days time 10.00 A.M. to 4.00 P.M.**
II	Date of online publication	**18-12-2025 (6.00 P.M.)**
III	Bid submission start date and time	**18-12-2025 (6.00 P.M.)**
IV	Bid submission end date and time	**27-12-2025 (11.00 A.M.)**
V	Date of opening bid i.e. eligibility criteria	**27-12-2025 (11.30 A.M.)**
VI	Date of opening of financial bid	**Shall be intimated separately.**

The tender forms and other detailed conditions can be downloaded from the website **www.hptenders.gov.in.**
For any clarification, please contact the O/O Executive Engineer, JSV Division Baddi.

Executive Engineer,
JSV Division, Baddi,
District Solan (HP)

R.No.5143/2025-2026

क्या भगवान को फूल पानी से धोकर चढ़ाना चाहिए?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि पूजा के दौरान अपने ईष्टदेव को उनके प्रिय पुष्प अर्पित करने से व्यक्ति की सभी मनोकामना पूरी हो सकती है। वहीं पुष्प के साथ उन्हें भोग भी चढ़ाया जाता है। इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति हो सकती है। अब ऐसे में पूजा के दौरान देवी-देवताओं को फूल पानी से धोकर अर्पित करना चाहिए या नहीं।

कई लोग पूजा के दौरान भगवान को फूल धोकर अर्पित करते हैं। ऐसा अशुभ माना जाता है। इसलिए अगर आप अपने आराध्य को पुष्प अर्पित कर रहे हैं, तो उन्हें सीधे तोड़कर अर्पित करें। इससे शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

धुले पुष्प जलदेव को होते हैं समर्पित

ऐसा कहा जाता है कि अगर आप पुष्प धोकर देवी-देवताओं को अर्पित करते हैं, तो इससे पहले वह फूल जलदेव को अर्पित हो चूके होते हैं। इसलिए अर्पित किए फूल को कभी देवी-देवता को अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे देवी-देवता नाराज हो सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में देवी-देवताओं के लिए तोड़े पुष्प

अगर आप भगवान को चढ़ाने के लिए फूल तोड़ रहे हैं, तो ब्रह्म मुहूर्त (ब्रह्म मुहूर्त उपाय) का समय बेहद शुभ माना जाता है। इससे शुभ परिणाम की प्राप्ति हो सकती है और देवी-देवता भी बेहद प्रसन्न होते हैं। इसलिए ब्रह्म मुहूर्त में फूल तोड़ सकते हैं।

भगवान को फूल अर्पित करने के नियम

अगर आप देवी-देवता को फूल अर्पित कर रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि स्नान करने के बाद पुष्प तोड़े और फिर सीधे भगवान को अर्पित करें। पश्चात भगवान को भोग लगाएं और नियमित पूजा-पाठ करें। इससे उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

संध्या के समय तोड़े फूल भगवान को न चढ़ाएं

कुछ लोग पूजा में अर्पित करने के फूलों को एक दिन पहले ही तोड़ लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। क्योंकि वह फूल बासी हो जाते हैं। इसलिए जब भी आप भगवान की पूजा कर रहे हैं, तो तुरंत तोड़ें और उन्हें अर्पित करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अगर आपपुष्प तोड़ रहे हैं, तो पेड़-पौधों से माफी जरूर मांग लें। उसके बाद ही तोड़ें। इससे देवी-देवता बेहद प्रसन्न हो सकते हैं।

घर में लगाएं मां लक्ष्मी के चरण चिह्न

शास्त्रों के हिसाब से मां लक्ष्मी को कई नामों से जाना जाता है। जैसे कि धन लक्ष्मी, वरलक्ष्मी, महालक्ष्मी कहा जाता है। क्योंकि यह एक स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं ठहरती हैं। मां लक्ष्मी को धन का देवी कहा जाता है। जो व्यक्ति इनकी विधिवत पूजा करता है। उसे वैभव, धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। अब ऐसे में मां लक्ष्मी के कई प्रतीक चिह्न के बारे में भी बताया गया है। जिसे घर में रखने से व्यक्ति के जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। तो आइए इस लेख में मां लक्ष्मी के प्रतीक चिह्न के बारे में विस्तार से जानते हैं।

चरण चिह्न मां लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र)का प्रतीक चिह्न माना जाता है। जब भी घर में कोई भी शुभ कार्य आरंभ होते हैं। तब रंगोली बनाने के साथ मां लक्ष्मी के करण चिह्न भी कई तरह से बनाए जाते हैं। आप मां लक्ष्मी के चरण घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। इससे मां लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर हमेशा बनी रहेगी। अगर आप घर में मां लक्ष्मी के चरण चिह्न लगाते हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि घर की साफ-सफाई अवश्य करें। रोजाना साफ-सफाई करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और परिवार पर कभी किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आती है।

घर में शुभ मुहूर्त देखकर श्रीयंत्र की करें स्थापना

घर में शुभ मुहूर्त को देखते हुए श्रीयंत्र की स्थापना करें। श्रीयंत्र मां लक्ष्मी का प्रतीक चिह्न माना जाता है। इसे मां लक्ष्मी का शरीर भी कहा जाता है।

घर में बनाएं स्वास्तिक का निशान

मां लक्ष्मी को स्वास्तिक का चिह्न भी बेहद पसंद है। यह प्रतीक भगवान गणेश को दर्शाता है। ऐसा कहा जाता है कि मां लक्ष्मी एक जगह पर ज्यादा देर तक नहीं रहती है। उनकी स्थिरता को बनाए रखने के लिए भगवान गणेश का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मां लक्ष्मी भगवान गणेश को अपने पुत्र रूप में पाकर बेहद प्रसन्न हुईं थीं और उन्होंने भगवान गणेश (भगवान गणेश मंत्र) को वरदान दिया था कि मेरी पूजा के साथ तुम्हारी पूजा भी की जाएगी।

घर मां रखें मां लक्ष्मी का पसंदीदा फूल

मां लक्ष्मी का प्रतीक चिह्न कमल का फूल भी माना जाता है। मां की सवारी भी यही है। इसलिए घर में चांदी के कमल का फूल खरीदकर लाएं और पूजा स्थान पर रख दें। इससे आपके घर कभी पैसों से संबंधित कोई परेशानी नहीं आएगी।

हिंदू धर्म में नारियल के पेड़ को देवताओं का प्रतीक माना गया है

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा विधिवत रूप से करने के बारे में विस्तार से बताया गया है। पेड़-पौधों में देवी-देवताओं का वास होता है।

हिंदू धर्म में नारियल का पेड़ को एक पवित्र वृक्ष माना जाता है। इसका धार्मिक महत्व इतना गहरा है कि इसका उपयोग पूजा-पाठ, अनुष्ठानों और शुभ कार्यों में व्यापक रूप से किया जाता है। नारियल को देवताओं को अर्पित किया जाता है और माना जाता है कि यह शुभता और समृद्धि लाता है। हिंदू धर्म में नारियल के पेड़ को देवताओं का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान शिव, विष्णु और लक्ष्मी सहित कई देवताओं को अर्पित किया जाता है। बता दें, नारियल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे नए घर में प्रवेश करते समय, विवाह के समय और अन्य शुभ अवसरों पर तोड़ा जाता है। नारियल को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। अब ऐसे में नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करने से लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करें?

- आप नारियल के पेड़ की पूजा के लिए किसी भी शुभ मुहूर्त का चुनाव कर सकते हैं।
- नारियल के पेड़ के नीचे एक साफ स्थान चुनें और वहां बैठ जाएं।
- एक आसन बिछाकर बैठें और पेड़ की ओर मुख करके बैठ जाएं।
- मुंह में जल लेकर तीन बार कुल्ला करें।
- पेड़ के तने पर जल चढ़ाएं।
- पेड़ के तने पर रोली से तिलक लगाएं।
- पेड़ के चारों ओर चावल अर्पित करें। उसके बाद विधिवत रूप से मंत्रों का उच्चारण करें।
- पेड़ के नीचे फूल और धूप जलाएं।
- आप कोई भी मंत्र जाप कर सकते हैं, जैसे कि ओम नमो भगवते वासुदेवाय या फिर आप माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।
- नारियल के पेड़ की 11 बार परिक्रमा लगाएं। उसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के स्तोत्र का भी जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा करने का महत्व क्या है?

ऐसा माना जाता है कि नारियल के पेड़ की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। नारियल के पेड़ की पूजा करने से रोग-दोष से भी छुटकारा मिल जाता है। इतना ही नहीं, नारियल के पेड़ की पूजा करने से आर्थिक परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है और व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा नारियल के पेड़ की पूजा करने से सुख-शांति का भी वातावरण बना रहता है।

इस दिशा में न लगाएं नारियल का पेड़ बढ़ सकता है पारिवारिक क्लेश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं।

घर में पेड़-पौधे लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पेड़ या पौधों को घर में लगाने से सकारात्मकता बनी रहती है। हालांकि पेड़ या पौधों को लगाते समय वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का ध्यान रखना जरूरी है, नहीं तो घर पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई पेड़ बताए गए हैं जिन्हें घर के आंगन में उगाना लाभकारी होता है। इन्हीं में से एक है नारियल का पेड़। ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि नारियल का पेड़ घर में लगाते समय दिशा का ज्ञान होना जरूरी है क्योंकि गलत दिशा में लगाया गया नारियल का पेड़ घर पर संकट ला सकता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि किस दिशा में नहीं लगाना चाहिए नारियल का पेड़।

कहां नहीं लगायें नारियल का पेड़?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं। साथ ही, नारियल को माता लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को कभी भी घर की पूर्व या उत्तर दिशा में नहीं लगाना चाहिए। हालांकि ज्यादातर पौधों को इन्हीं दो दिशाओं में लगाना अच्छा मानते हैं लेकिन नारियल के पेड़ को इन दिशाओं में लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को उत्तर दिशा में लगाने से धन की हानि होती है और घर में तंगी के हालत पैदा होते हैं। वहीं, पूर्व दिशा में लगाने से मान-सम्मान घटने लगता है और घर में पारिवारिक क्लेश का वातावरण जन्म लेता है। घर की शांति भंग होने लगती है।

बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस दिन सरसो तेल का दीपक जलाना चाहिए?

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों की पूजा-अर्चना करने की विशेष मान्यता है। वहीं बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस तेल का दीपक जलाने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

सनातन धर्म में पेड़-पौधों को देवी-देवताओं का स्वरूप माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप रोजाना भगवान की पूजा नहीं कर पा रहे हैं, तो पेड़-पौधों को स्पर्श करके प्रणाम जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, पेड़-पौधे का दिन के अनुसार पूजे जाने की भी मान्यता है। विभिन्न पेड़-पौधों के लिए दीपक भी अलग-अलग तरह के दिखाने का भी महत्व है। अब ऐसे में बेलपत्र के पेड़ के नीचे किस दिन तेल का दीपक जलाने से शुभ फल मिल सकते हैं।

सोमवार के दिन जलाएं सरसों तेल का दीपक

सोमवार भगवान शिव को समर्पित दिन होता है और इस दिन बेलपत्र के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाने का विशेष महत्व है। भगवान शिव जल और सरसों के तेल से प्रसन्न होते हैं। सोमवार को बेलपत्र के पेड़ के नीचे सरसों का तेल जलाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। इतना ही नहीं, अगर आपके वैवाहिक जीवन में कोई परेशानी आ रही है, तो सरसो तेल का दीपक जलाने से लाभ हो सकता है।

मंगलवार के दिन जलाएं तिल के तेल का दीपक

मंगलवार को हनुमान जी का दिन माना जाता है। इस दिन तिल के तेल का दीपक जलाने से शुभ परिणाम मिलते हैं। मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए भी तिल के तेल का दीपक जलाने से लाभ हो सकता है। साथ ही अक्षय फलों की भी प्राप्ति होती है। इसलिए बेलपत्र के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जरूर जलाएं।

गुरुवार के दिन दीपक में हल्दी डालकर जलाएं

गुरुवार का दिन देवगुरु बृहस्पति को समर्पित है और बृहस्पति ज्ञान, धन और वैभव के देवता हैं। ऐसी मान्यता है कि गुरुवार के दिन बेलपत्र के पेड़ के नीचे दीपक में हल्दी डालकर जलाने से गुरुदोष से छुटकारा मिल जाता है और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, यह उपाय आप विशेष रूप से तब करें। जब आपको कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और वैवाहिक जीवन में कलह-क्लेश की स्थिति बन रही है। तब आप सरसो तेल में हल्दी डालकर दीपक जलाएं और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। इससे लाभ हो सकता है।

भारतीय टीम के कोच नहीं मैनेजर हैं गौतम गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि आजकल हेड को का काम खिलाड़ियों को कोचिंग देने के बजाय उन्हें मैनेज करना ज्यादा होता है।

भारत को नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार मिली थी और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड ने साल 2024 में 0-3 से हराया था। टेस्ट सीरीज में इस तरह की हार के बाद गंभीर के ऊपर काफी दवाब है। कपिल देव ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सेशन में कहा कि आज कोच नाम का जो शब्द है...कोच आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते वो टीम के मैनेजर हो सकते हैं। कोच वो होते हैं जिनसे हम स्कूल या कॉलेज में सीखते हैं। वो लोग मेरे कोच थे क्योंकि वो मुझे मैनेज कर सकते थे।

कपिल देव ने हेड कोच पर की तीखी टप्पणी

लेग-स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं गंभीर-कपिल देव ने आगे कहा कि आप कोच कैसे हो सकते हैं जब उन्होंने किसी को मान लीजिए लेग स्पिनर का नाम दिया है। गौतम एक लेग स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं। मुझे लगता है कि आपको मैनेज करना होगा और ये ज्यादा जरूरी है। एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें हिम्मत देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आपकी तरफ देखते हैं। मेरा मैनेजर या कप्तान मुझे वह आराम कैसे दे सकता है और यही मैनेजर और कप्तान का काम है टीम को आराम देना और हमेशा कहना तुम और बेहतर कर सकते हो।

- **जो अच्छा नहीं खेल रहे उनका आत्मविश्वास बढ़ाएं-** कपिल ने कहा कि कप्तान के तौर पर उनकी अपनी फिलॉसफी यह थी कि खराब दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों को सपोर्ट किया जाए। मुझे लगता है कि जो लोग अच्छा नहीं खेल रहे हैं, उन्हें आपको दिलासा देना चाहिए। अगर किसी ने सेंचुरी बनाई है तो मैं उसके साथ ड्रिंक और डिनर नहीं करना चाहता। वहां बहुत सारे लोग हैं, लेकिन एक कप्तान के तौर पर मैं उन लोगों के साथ ड्रिंक करना चाहूंगा या उन लोगों के साथ डिनर करना चाहूंगा जो अच्छा परफॉर्म नहीं कर रहे हैं। आपको उन्हें कॉन्फिडेंस देना होता है और यही होता है।

रेसिंग जगत में शोक की लहर

- विमान हादसे में दिग्गज NASCAR ड्राइवर और उनके परिवार का दुखद निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना के स्टेट्सविले रीजनल एयरपोर्ट के पास गुरुवार सुबह एक हृदयविदारक विमान हादसा हुआ,

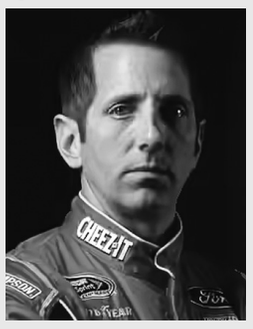

जिसने न केवल रेसिंग की दुनिया बल्कि पूरे अमेरिका को स्तब्ध कर दिया है। रिटायर्ड हृस्ष्ट्रक ड्राइवर ग्रेग बिफल , उनकी पत्नी और दो बच्चों सहित कुल सात लोगों की इस भीषण दुर्घटना में मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब उनका निजी बिजनेस जेट उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस एयरपोर्ट की ओर लौट रहा था और अचानक जमीन से टकराकर आग की लपटों में घिर गया।

एक हंसता-खेलता परिवार और दोस्तों का अंत

इस त्रासदी में 55 साल ग्रेग बिफल के साथ उनकी पत्नी क्रिस्टीना, उनके 5 साल के बेटे राइडर और 14 साल की बेटी एम्मा ने अपनी जान गंवाई। उनके साथ विमान में डेनिस डटन, उनके बेटे जैक और बिफल के करीबी दोस्त क्रेज वाड्सवर्थ भी सवार थे। परिवार की ओर से जारी एक अत्यंत भावुक संयुक्त बयान में कहा गया कि ये सभी उनके लिए पूरी दुनिया थे और उनकी अनुपस्थिति ने जीवन में एक ऐसा खालीपन पैदा कर दिया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। बिफल का परिवार न केवल अपनी खुशहाली बल्कि अपने परोपकारी कार्यों के लिए भी जाना जाता था।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने राष्ट्रीय शिविर में भागीदारी अनिवार्य की

- इन पहलवानों को अब भी मिलेगी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने नई चयन नीति बनाई है जिसके तहत सभी पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल होना होगा। हालांकि, महासंघ ने कुछ छूट भी दी है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने नई चयन नीति लागू की है जिसके तहत अब सभी के लिए राष्ट्रीय शिविर में शामिल होना अनिवार्य है। व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे

पहलवानों को इससे छूट रहेगी। इसके साथ ही ओलंपिक खेलों में कोटा जीतने वाले पहलवानों को एक दौर के अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेना होगा। डब्ल्यूएफआई की आम परिषद की हाल ही में अहमदाबाद में हुई बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। इसे फीडबैक और समीक्षा लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को भी दिया गया है। नीति में कहा गया, राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भागीदारी सभी पहलवानों के लिए अनिवार्य होगी जिसमे एलीट और दिग्गज पहलवान शामिल हैं। शिविर में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीतना जरूरी है। एक बार चुने जाने पर पहलवानों को राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास करना होगा। किसी को दूसरे किसी स्थान पर व्यक्तिगत अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।

विनेश को घरेलू स्तर पर करना होगा अच्छा प्रदर्शन

इसके मायने हैं कि हाल ही में संन्यास से वापसी का फैसला लेने वाली विनेश फोगाट को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

कबड्डी भारत से ऐसी नफरत!

- पड़ोसी देश की टीम के लिए खेलने पर पाकिस्तान करेगा अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राना सरवर ने बताया कि 27 दिसंबर को आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें उबैदुल्लाह राजपूत और कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत मुश्किल में फंस गए हैं। भारत की निजी टीम की ओर से खेलने के कारण उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। यह मामला 16 दिसंबर को बहरीन में आयोजित जीसीसी कप से जुड़ा है।

खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला

भारतीय टीम से खेलने पर अपने ही खिलाड़ी पर कार्रवाई करेगा पाकिस्तान

दरअसल, सोशल मीडिया पर उबैदुल्लाह के कुछ वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिनमें वह भारतीय जर्सी पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए नजर आए थे। इसके बाद पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने मामले को गंभीरता से लिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ के सचिव राना सरवर ने बताया कि इस मुद्दे पर 27 दिसंबर को आपात बैठक बुलाई गई है, जिसमें उबैदुल्लाह राजपूत और कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। राना सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि करता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था, जिसमें आयोजकों ने टीमों के नाम भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि रखे थे। लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देशों के खिलाड़ी थे। भारतीय निजी टीम में भारतीय खिलाड़ी खेले, लेकिन उबैदुल्लाह का उनके लिए खेलना मौजूदा परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।

उबैदुल्लाह ने दी सफाई

वहीं, उबैदुल्लाह राजपूत ने इस मामले में माफी मांगते हुए सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहरीन में खेलने का निमंत्रण मिला था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया था। उबैदुल्लाह ने कहा, 'मुझे बाद में पता चला कि टीम का नाम भारतीय टीम रखा गया है। मैंने आयोजकों से भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल न करने को कहा था। इससे पहले भी निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ खेले हैं, लेकिन कभी भारत या पाकिस्तान के नाम से नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे शुरू में यह एहसास नहीं था कि मुझे भारतीय टीम के खिलाड़ी के रूप में दिखाया जाएगा।

जोश इंग्लिस ने पंजाब को दिया धोखा!

- शादी के बहाने रिलीज, 8.6 करोड़ में बिकते ही हनीमून टाला

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए जोश इंग्लिस की उपलब्धता को लेकर विवाद पैदा हो गया है। मिनी ऑक्शन से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी थी कि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर अगले सीजन में सिर्फ चार मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लिस अप्रैल 2026 में शादी करने वाले हैं और इसके बाद उनके हनीमून पर जाने की योजना थी। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ 8.6 करोड़ रुपये में जुड़ते ही खबर आई कि इंग्लिस हनीमून टाल सकते हैं। इसके बाद

से यह सवाल उठ रहा है कि क्या इंग्लिस की उपलब्धता को लेकर कोई गलतफहमी हुई या उन्होंने आखिरी मिनट में अपनी योजनाएं बदल दीं। इंग्लिस की पुरानी फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ठगा हुआ महसूस कर रही है।

बीसीसीआई से संपर्क करेगी पंजाब किंग्स

सूत्रों के हवाले से बताया कि इंग्लिस ने पंजाब को बताया कि उनकी शादी हो रही है और इसलिए अगले सीजन में उनकी उपलब्धता सीमित रहेगी। खास तौर पर उन्होंने संबंधित पंजाब किंग्स के अधिकारियों को बताया था कि उनकी शादी 18 अप्रैल को है और वह उसके तुरंत बाद हनीमून पर जाएंगे। वह मई के आखिर में सिर्फ 10-14 दिनों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। इस बातचीत के आधार पर पंजाब के अधिकारियों ने

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के:

ओलंपिक पदक विजेता बेनडनरेक भारत की रनिंग संस्कृति से प्रभावित, रेस के लिए उत्साहित

कोलकाता, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता स्प्रिंटर केनी बेडनरेक टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में जुड़े हैं और वह इस रेस के लिए काफी उत्साहित हैं। ओलंपिक रजत पदक विजेता और अमेरिका के स्टार स्प्रिंटर केनी बेडनरेक ने टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में जुड़ने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की वैश्विक स्तर की दौड़ प्रतियोगिताएं लोगों को फिटनेस को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले, तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। एलीट स्तर पर प्रदर्शन को लेकर बात करते हुए बेडनरेक ने मानसिक मजबूती को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा कि शारीरिक तैयारी और प्रतिभा के बावजूद अगर रेस के दिन मानसिक रूप से मजबूत नहीं हैं, तो कुछ भी मायने नहीं रखता। उनके अनुसार स्प्रिंटिंग लगभग 90 प्रतिशत मानसिक खेल है, जिसमें अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और रिकवरी की

अहम भूमिका होती है। अपने करियर के अनुभव साझा करते हुए बेडनरेक ने निरंतर सीखने और सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह हर साल खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं और जीत के बाद भी अपनी टीम के साथ यह सोचते हैं कि आगे क्या सुधार किया जा सकता है। उनके मुताबिक पूर्णता जैसी कोई चीज नहीं होती, केवल निरंतर प्रगति ही मायने रखती है। यह बातें उन्होंने जीडी बिड़ला सेंटर फॉर एजुकेशन के छात्रों से बातचीत के दौरान कहीं।

भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं

भारतीय एथलेटिक्स को लेकर बेडनरेक ने सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। भारत के खेल जगत से लंबे समय तक जुड़ाव को लेकर बेडनरेक ने कहा कि वह इंटरैक्शन, मेंटरशिप और अनुभव साझा करने के जरिए सार्थक योगदान देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

कोलकाता 25के केवल रन नहीं, उत्सव है

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता को लेकर बेडनरेक ने कहा कि यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उत्सव है। उन्होंने कहा कि एक ही सड़क पर एलीट एथलीट्स, शौकिया धावकों और पहली बार दौड़ने वालों को साथ देखना प्रेरणादायक है और वह रविवार को होने वाली रेस को करीब से देखने और धावकों का उत्साह बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीते हैं पदक

केनी बेडनरेक दुनिया के शीर्ष स्प्रिंटर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता है।

सौरव गांगुली ने दर्ज कराया? 50 करोड़ का मानहानि केस...

- लियोनेल मेसी के इवेंट से है कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। लियोनेल मेसी के कोलकाता वाले इवेंट में सौरव गांगुली भी शरीक हुए थे. गांगुली का नाम सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुई घटना में घसीटा गया, जिसके बाद टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने एक्शन लेते हुए उत्तम साहा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है. टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता के लालबाजार में उत्तम साहा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. गांगुली का आरोप है कि साहा ने उन्हें युवा भारती स्टेडियम (सॉल्ट लेक स्टेडियम) घटना में जानबूझकर फंसाया और उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक बयान देकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाया. साहा अर्जेंटीना फैन क्लब के अध्यक्ष हैं. बता दें कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी के इवेंट के दौरान सॉल्ट लेक स्टेडियम में अफरातफरी मच गई थी. गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा कि उत्तम साहा ने उनके बारे में लगातार झूठे और मानहानिक आरोप लगाए, जो न केवल उनके व्यक्तिगत सम्मान को ठेस पहुँचाते हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से भी उनके किरदार और प्रतिष्ठा को बदनाम करते हैं.

सौरव गांगुली ने कहा कि उत्तम साहा ने यह सब जानबूझकर और उद्देश्यपूर्वक किया है. पूर्व भारतीय कप्तान ने साहा को कानूनी नोटिस भेजा और अब उन्होंने ?50 करोड़ की मानहानि का मुकदमा दायर किया है. गांगुली का कहना है कि इन आरोपों का कोई भी वास्तविक आधार नहीं है और उन्हें गलत तरीके से सार्वजनिक किया गया है.

न्यूजीलैंड- वेस्टइंडीज टेस्ट

कॉनवे ने ठोका दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ओपनर डेवन कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा है. ऐसा करते हुए उन्होंने अपने करियर का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया है. डेवन कॉनवे ने वेस्टइंडीज के गेदबाजों की जमकर पिटाई की. पहले दिन के खेल में तो वो आउट ही नहीं हुए और फिर दूसरे दिन उन्होंने कुछ ऐसा किया, जैसा 4 साल पहले खेली अपनी डेब्यू इनिंग पर किया था. डेवन कॉनवे ने टेस्ट डेब्यू पर जमाए दोहरे शतक के बाद पहली बार डबल सेंचुरी जड़ी. मतलब, उन्होंने अपने टेस्ट करियर का दूसरा दोहरा शतक जड़ा. डेवन कॉनवे ने अपने टेस्ट करियर का दूसरा दोहरा शतक 318 गेंदों पर पूरा किया, जिसमें बाउंड्रीज के नाम पर 28 चौके शामिल रहे. वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में खेली इनिंग के दौरान उन्होंने 319वीं गेंद पर सिंगल लेते ही, अपने टेस्ट करियर का सबसे बड़ा स्कोर भी हासिल कर लिया. कॉनवे ने साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए पूरे 200 रन की पारी खेली थी, जो कि टेस्ट में उनका पहला दोहरा शतक था. वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में डेवन कॉनवे की कुल इनिंग 227 रन की रही. ये रन उन्होंने 367 गेंदों का सामना करते हुए 31 चौकों की मदद से बनाए. इस पारी के दौरान .कॉनवे ने बड़ी साझेदारियों को भी अंजाम दिया. उनकी पहली बड़ी पार्टनरशिप तो साथी ओपनर और कप्तान टॉम लैथम के साथ ही हुई. दोनों ने मिलकर 323 रन जोड़े, जो कि न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में ओपनिंग विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी पार्टनरशिप है.

टी20 वर्ल्ड कप 2026

इस दिन होगा टीम इंडिया का ऐलान, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भी सेलेक्श

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय खिलाड़ियों का सेलेक्शन 20 दिसंबर को होगा. खिलाड़ियों का सेलेक्शन मुंबई में बीसीसीआई हेडक्वार्टर में किया जाएगा.

टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान 20 दिसंबर को होगा, इसे लेकर रिपोर्ट्स पहले से थी. लेकिन, अब बीसीसीआई ने उस खबर पर अपनी आधिकारिक मुहर लगा दी है. भारतीय टीम का सेलेक्शन दोपहर डेढ़ बजे होगा, जिसके बाद टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे. न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को घरेलू व्हाइट बॉल सीरीज खेलनी है. ये सीरीज टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने से पहले होगी. इस सीरीज में कुल 8 मैच होंगे, जिसमें 3 वनडे और 5 टी20 शामिल हैं. पहले वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसके मुकाबले 11 जनवरी, 14 जनवरी और 18 जनवरी को वडोदरा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे वनडे सीरीज के बाद 21 से 31 जनवरी के बीच टी20 सीरीज के 5 मैच खेले जाएंगे. इसकी शुरुआत नागपुर से होगी. दूसरा टी20 मैच 23 जनवरी को रायपुर में खेला जाएगा.

उत्तर रेलवे

ई नीलामी-सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा ई-नीलामी की जाएगी (टेबल के अनुसार)। जिसका विवरण वेबसाईट IREPS पर मौजूद है। ई-नीलामी की धरोहर राशि, बोली की 5% होगी तथा बोली, कम से कम बोली मूल्य से 0.2% बढ़ा कर लगानी होगी।

नीलामी केटलॉग सं. : UBC-Ctg-RR01-25 रेट यूनिट: वार्षिक लाइसेंस फीस प्रारंभ होने की तिथि व समय: 29.12.2025 को 12:00 बजे

क्र.सं.	लॉट सं. एवं विवरण	नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय
1.	Catg-UMB-UBC-GMU-161-25-1 (रिफ्रेशमेंट रूम-जनरल माइनर यूनिट (GMU) (Size 40.61 sqm) सामान्य महिला श्रेणी के लिए अम्बाला सिटी रेलवे स्टेशन	29.12.2025 को 12:30 बजे

ई-नीलामी की अधिक जानकारी हेतु सभी भावी निविदाकर्ता रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in को देखे। 3942/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

परिवहन क्षेत्र में बड़ी कंपनियों की एकाधिकारवादी पकड़ खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री का बड़ा कदम, 'रोज़गार क्रांति योजना' के तहत बेरोज़गार युवाओं को 505 मिनी बस परमिट सौंपे

58 हज़ार युवाओं को बिना किसी भ्रष्टाचार के मिली सरकारी नौकरी; युवाओं को नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनाएंगे: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

1311 नई बसों से सरकारी परिवहन को मजबूत किया जाएगा, बस अड्डों का होगा आधुनिकीकरण और मोबाइल ऐप के माध्यम से होगी टिकट बुकिंग- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़। परिवहन क्षेत्र में बड़ी कंपनियों के एकाधिकार को समाप्त करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'रोज़गार क्रांति योजना' के तहत राज्य के बेरोज़गार युवाओं को 505 मिनी बस परमिट सौंपे।

यहां मगसीपा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि राज्य सरकार ने इस स्वरोज़गार पहल के माध्यम से 'रोज़गार क्रांति' की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग ने मार्च 2022 से अब तक कुल 1165 'स्मॉल स्टेज कैरिज परमिट' स्वीकृत किए हैं और आज इस योजना के अंतर्गत 505 युवाओं को परमिट दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये परमिट आम परिवारों के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह निष्पक्ष ढंग से जारी किए गए हैं।

परमिट प्राप्त करने वाले युवाओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम पेट्रोल पंप ऑपरेटरों, बस ऑपरेटरों और अन्य संबंधित क्षेत्रों सहित पूरी अर्थव्यवस्था को गति देगा। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि पहले बसों की कमी के कारण विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब राज्य सरकार ने छात्राओं के लिए स्कूल बसें शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने 19,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों सहित कुल 43,000 किलोमीटर सड़कों की री-कारपेटिंग का कार्य पांच वर्षों की अवधि के लिए सड़कों के रखरखाव की शर्त के साथ आवंटित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 58,000 युवाओं को बिना किसी भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद या सिफ़ारिश के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान ऐसे बस परमिट केवल सत्ताधारी नेताओं के करीबी लोगों को ही जारी किए जाते थे।

उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि तत्कालीन शासकों ने परिवहन को पारिवारिक व्यवसाय समझते हुए अपने नज़दीकी लोगों को परमिट जारी किए और इस क्षेत्र में एकाधिकार स्थापित कर लिया था। उन्होंने कहा कि अब यह प्रवृत्ति पूरी तरह बदल चुकी है क्योंकि राज्य की कमान एक ईमानदार सरकार के हाथों में है, जो सभी के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हाल ही में स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हुए हैं और कुछ उम्मीदवारों ने दो या तीन वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा नकारे जाने के कारण विपक्ष इस मुद्दे पर बेवजह शोर मचा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों ने केवल बयानबाज़ी की बजाय विकास और कार्यों को वोट दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ईश्वर की कृपा से प्राप्त उपजाऊ धरती है, लेकिन पिछली सरकारों ने अपने स्वार्थ के लिए इसके संसाधनों की लूट में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि बादलों ने पूरे परिवहन व्यवसाय का केंद्रीकरण कर दिया था, जिससे यह व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई और कुछ चुनिंदा लोगों द्वारा धड़ल्ले से चलाई जाती रही।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए 1311 नई बसें शामिल करने की घोषणा की और कहा कि निजी ट्रांसपोर्टरों को आम आदमी का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटियाला, जालंधर, संगरूर, लुधियाना और बठिंडा के बस अड्डों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है और बहुत जल्द मोबाइल फोन के माध्यम से बस टिकट बुक करने के लिए एक नई ऐप शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में शटल बस सेवा भी शुरू करेगी, जिससे आम जनता को बड़ा लाभ होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने नए परमिट जारी करने और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए नियमों में संशोधन किया है ताकि युवाओं को रोज़गार के नए अवसर मिल सकें और साथ ही सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को नौकरी खोजने वालों की बजाय नौकरी देने वालों की मानसिकता की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है, ताकि अर्थव्यवस्था को गति मिल सके। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं में अपार क्षमता है और इसका सही उपयोग समय की मांग है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 17 टोल प्लाज़ा बंद किए गए हैं, जिससे पंजाबियों के रोज़ाना 64 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि टोल प्लाज़ा कंपनियां अवधि बढ़ाकर राज्यवासियों का शोषण करना चाहती थीं, लेकिन राज्य सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने टिप्पणी की कि प्रताप सिंह बाजवा ने लोक निर्माण मंत्री रहते अपने कार्यकाल में सबसे अधिक टोल प्लाज़ा स्थापित किए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब केंद्र सरकार नए नियम बनाकर मनरेगा को बंद करने की दिशा में बढ़ रही है और राज्य सरकारों पर वित्तीय बोझ बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना को कमजोर करने के इरादे से शर्तों में बदलाव किया गया है, जिससे आम आदमी निराश है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के लिए जनवरी में पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा।

अग्निवीर योजना पर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह योजना पूरी तरह असंवैधानिक है और भारतीय सेना के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि क्या हमारे पूर्वजों ने इस देश के लिए बलिदान दिए थे? पंजाब की धरती ने अनेक वीर योद्धा पैदा किए हैं, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए महान कुर्बानियां दी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के संरक्षक के रूप में वह हमेशा राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे और केंद्र के ऐसे जनविरोधी कदमों का पूरी ताकत से विरोध करते रहेंगे।

पंजाब सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन

नई कृषि, डेयरी तथा मछली पालन सहकारी समितियों के लिए पंजीकरण शुल्क में भारी कटौती

चंडीगढ़, सहकारी क्षेत्र की मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने नई कृषि, डेयरी तथा मछली पालन सहकारी समितियों के लिए पंजीकरण शुल्क में भारी कटौती की घोषणा की है।

इस संबंध में सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि कृषि, डेयरी तथा मछली पालन सहकारी समितियों के लिए पंजीकरण शुल्क, जो पहले 10,000/- रुपये निर्धारित था, उसे घटाकर अब मात्र 1,000 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल से राज्य भर के उत्पादकों के लिए सहकारी समितियों का गठन काफी आसान हो जाएगा।

उम्मीद की जा रही है कि इस किसान-हितैषी फैसले से छोटे एवं सीमांत किसानों की अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी, जिससे वे एकजुट होकर उच्च प्रारंभिक लागत के बोझ का सामना किए बिना सहकारी समितियों का गठन कर सकेंगे।

सहकारी क्षेत्र का विस्तार करने वाला यह नया कदम किसानों की आय बढ़ाने तथा पूरे प्रदेश में मिल्कफैड पंजाब के सहकारी नेटवर्क को मजबूत करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने निरंतर समावेशी विकास तथा किसान सशक्तिकरण की महत्वता पर जोर दिया है। यह फैसला ग्रामीण आर्थिक विकास के स्तंभ के रूप में सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने तथा किसानों के लिए संगठित मार्केटिंग प्लेटफार्मों तक पहुंच संबंधी बाधाओं को कम करके ग्रामीण जीवन का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

इसके अलावा, यह नवीन उपाय हर दूध उत्पादक के लिए पहुंच सुनिश्चित करके पंजाब के डेयरी सेक्टर को भी मजबूत करेगा क्योंकि सरकार द्वारा (ग्रामीण विकास विभाग) महिला स्वयं-सहायता समूहों को पशुओं की कीमत के 50 प्रतिशत (अधिकतम 60,000 रुपये) तक पशु खरीदने के लिए ऋण दिए जा रहे हैं।

वर्ष 2025 का लेखा-जोखा - खाद्य, सिविल आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

चंडीगढ़, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसान-हितैषी नीतियों के परिणामस्वरूप तथा कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में खाद्य, सिविल आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने वर्ष 2025-26 के दौरान गेहूं एवं चावल के खरीद सीजन की सफलता सुनिश्चित की। दोनों सीजनों में मंडियों में सभी हितधारकों जैसे किसानों, आढ़तियों, मजदूरों के लिए उचित सफाई, पानी एवं बारदाने के पुख्ता प्रबंध किए गए, जिन्होंने निर्विघ्न एवं सुचारू खरीद सीजन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अप्रैल-मई के दौरान गेहूं के खरीद सीजन में 72 घंटों के समय में किसानों की 130 लाख मीट्रिक टन से अधिक उपज की खरीद एवं उठान किया गया। इसके साथ ही 27000 करोड़ रुपये से अधिक राशि किसानों के खातों में जमा करवाई गई। प्रदेश में भयानक बाढ़ की मार से प्रभावित होने के बावजूद चावल का खरीद सीजन (अक्टूबर-नवंबर) भी सफल रहा। विभाग ने बाढ़ से उत्पन्न चुनौती का सामना किया तथा 156 लाख मीट्रिक टन से अधिक चावल की खरीद करके तथा किसानों के खातों में 37000 करोड़ रुपये से अधिक की अदायगी करके चावल के खरीद सीजन का सफल होना सुनिश्चित किया।

सामाजिक सुरक्षा से संकेत भाषा वाली विधानसभा तक-पंजाब सरकार के जन-हितैषी और ऐतिहासिक कदम

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर जन-हितैषी नीतियां लागू की जा रही हैं। बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2025 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के दौरान कई ऐतिहासिक पहलें की गई हैं। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2025 के दौरान 6175 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जिसमें से नवंबर 2025 तक 4683.94 करोड़ रुपये की राशि वृद्धावस्था पेंशन और अन्य वित्तीय सहायता योजनाओं के तहत जारी की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 35 लाख 29 हजार 216 लाभार्थियों को निरंतर वित्तीय सहायता मिल रही है, जो सामाजिक सुरक्षा का मजबूत जाल तैयार करने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री द्वारा गांवों को गुटबंदी से ऊपर उठकर भाईचारे की भावना बनाए रखने की अपील

अपने पैतृक गांव सतौज पहुंचकर ग्रामीणों से की मुलाकात

20 दिसंबर को प्रदेश के 19,000 सरकारी स्कूलों में हो रही पी.टी.एम. में अभिभावकों से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान

नरेगा योजना में नए बदलाव कर गरीबों और राज्यों को बर्बाद करना चाहती है केंद्र की भाजपा सरकार

सतौज (संगरूर), मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अपने पैतृक गांव सतौज पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव से जुड़ी यादें साझा कीं।

गांव के दौरे के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और अन्य ग्रामीणों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें हमेशा अपने गांव पर गर्व रहा है। उन्होंने कहा कि वे आज कोई भाषण देने नहीं आए, बल्कि लोगों के सुख-दुख में शामिल होने के लिए आए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपने पैतृक गांव में बिताए पल उन्हें बहुत खुशी देते हैं और वे हमेशा इस बात के ऋणी रहेंगे कि गांव ने उन्हें भरपूर प्यार दिया है।

सभी गांवों को गुटबंदी से ऊपर उठकर विकास करने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एकता में ही बरकत होती है और गांवों को प्रगति व विकास के लिए हमेशा भाईचारे की भावना बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ नेता अपने निजी स्वार्थ के लिए गांवों में फूट डालते हैं और गुटबंदी होने से गांवों का विकास रुक जाता है।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने 20 दिसंबर को प्रदेश के सभी 19,000 स्कूलों में हो रही शिक्षक-अभिभावक बैठक (पी.टी.एम.) में अभिभावकों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने पहली बार सरकारी स्कूलों में पी.टी.एम. की शुरुआत की थी और अभिभावकों ने इसे बड़ा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को भविष्य में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में सहायक होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे अभिभावकों को शिक्षकों से अपने बच्चों की रुचि के बारे में भी काफी जानकारी मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए स्कूलों के प्रिंसिपलों और शिक्षकों को सिंगापुर, फिनलैंड से विश्व स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आई.आई.एम. अहमदाबाद में शिक्षकों को एडवांस्ड कोचिंग दी जा रही है।

युवाओं को रोजगार देने के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में हर योग्य और काबिल युवा को बिना किसी भ्रष्टाचार या भाई-भतीजावाद के सरकारी नौकरी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि मार्च 2022 से अब तक 58,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और कई ऐसे परिवार भी हैं, जहां दो या तीन नौकरियां मिली हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा नरेगा योजना में किए गए नए बदलाव को गरीबों और राज्यों को बर्बाद करने वाला कदम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना के तहत फंड देने का अनुपात 40 प्रतिशत राज्यों पर डाल दिया है, जबकि केंद्र पहले ही राज्यों को पूरा फंड नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि नए बदलावों के तहत नरेगा मजदूर स्कूल, मंडी, नाले आदि नहीं बना सकते, जो गांवों के साथ सीधा मजाक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ऐसे हथकंडे अपनाकर वास्तव में इस योजना को बंद करना चाहती है।

खेती अवशेषों के निपटारे और सौर ऊर्जा से रोशन होगा पंजाब

चंडीगढ़। पंजाब के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने वर्ष 2025 के दौरान नवीकरणीय क्षेत्र में हुई बेमिसाल प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) द्वारा खेती अवशेषों और सौर ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से पंजाब को सुंदर एवं स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब सूरज से घरों और खेतों को ऊर्जा मिल रही है; खेती अवशेषों से स्वच्छ ईंधन के रूप में उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेडा ने अपनी विकास-मुखी नीतियों से पंजाब के सतत भविष्य की रचना की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि सौर ऊर्जा से पंजाब का रिश्ता इस वर्ष और भी गहरा हुआ है क्योंकि जुलाई 2025 में बठिंडा के गांव भागी बांदर में 4 मेगावाट क्षमता का एक ग्राउंड-माउंटेड सोलर पावर प्रोजेक्ट शुरू किया गया है और बठिंडा के कोठे मल्लुआना तथा शेरगढ़ में 4-4 मेगावाट के दो सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाए जा रहे हैं। पेडा ने कृषि क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए बठिंडा जिले के पीरकोट फीडर पर सोलर ग्रिड-कनेक्टेड 16 कृषि पंप भी लगाए हैं और 4 और पंप स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पेडा ने राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर 4,850 ऑफ-ग्रिड स्टैंडअलोन सोलर वाटर पंप भी लगाए हैं। इसके अलावा मॉडल सोलर विलेज (गांव) योजना के तहत स्वावलंबी ऊर्जा हब में बदलने के लिए 277 गांवों की पहचान की गई है। इस वर्ष 148 सरकारी इमारतों पर 2.6 मेगावाट के रूफटॉप सोलर पावर प्लांट भी लगाए गए हैं और 4,169 से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइटें 299 गांवों को रोशन कर रही हैं, जो अंधेरा होने पर लोगों के सुखमय जन-जीवन और सुरक्षा को सुनिश्चित बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 65 गांवों में और 1,221 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं।

'युद्ध नशों विरूद्ध': 293वें दिन, पंजाब पुलिस ने 61 नशा तस्करों को 528 ग्राम हेरोइन, 2.4 किलोग्राम अफीम, 3 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार किया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा प्रदेश से नशों के खात्मे के लिए चलाई जा रही नशा विरोधी मुहिम ÷युद्ध नशों विरूद्ध÷ के लगातार 293वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 282 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप पूरे प्रदेश में 61 नशा तस्करों को गिरफ्तार करने के बाद 52 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही, 293 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 40,748 हो गई है।

छापेमारी के नतीजे के रूप में गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 528 ग्राम हेरोइन, 2.4 किलोग्राम अफीम, 214 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 3.02 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट को पंजाब को नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का भी गठन किया है। 60 गजेटिड अधिकारियों की निगरानी में 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्य भर में 282 स्थानों पर छापेमारी की। पुलिस टीमों ने दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 282 संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग भी की है। राज्य सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रीवेंशन - लागू की है। पंजाब पुलिस ने 'नशा छुड़ाने' के हिस्से के रूप में आज 23 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए पंजाब सरकार प्रयत्नशील: संदीप सैनी

चंडीगढ़, पंजाब पिछड़ा वर्ग, भूमि विकास एवं वित्त निगम (बैकफिंको) द्वारा राज्य के पिछड़े वर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्तियों का आर्थिक स्तर ऊंचा उठाने के उद्देश्य से स्वै-रोजगार स्थापित करने के लिए तथा विद्यार्थियों को देश और विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी बैकफिंको के चेयरमैन श्री संदीप सैनी द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यक वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए पंजाब सरकार प्रयत्नशील है। श्री सैनी ने बताया कि बैकफिंको द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान एन.एम.डी. स्कीम के तहत पंजाब राज्य के अल्पसंख्यक वर्ग (सिख, मुस्लिम, ईसाई, पारसी, बौद्धी और जैन) के लोगों को 1047 लाभार्थियों को 26.12 करोड़ रुपये ऋण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध 01-04-2025 से 30-11-2025 तक 219 लाभार्थियों को 7.22 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए तथा प्रत्यक्ष ऋण स्कीम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 18 लाभार्थियों को 35.80 लाख रुपये के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष के दौरान दोनों ऋण स्कीमों के तहत 237 लाभार्थियों को कुल 7.58 करोड़ रुपये के ऋण स्वै-रोजगार स्थापित करने के लिए दिए जा चुके हैं। एन.एम.डी. स्कीम के तहत दिनांक 19-12-2025 तक कुल 129 लाभार्थियों के 4.51 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं।

विद्यार्थियों को रोजगार के सक्षम बनाने के लिए 40 स्कूलों में 'हुनर सिखिया स्कूल' कार्यक्रम लागू: बैंस

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस एवं 'आप' पंजाब के इंचार्ज श्री मनीष सिसोदिया द्वारा आज 'हुनर सिखिया स्कूल' हैंडबुक लॉन्च की गई। इस अवसर पर उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए 40 स्कूलों में शुरू किए गए 'हुनर सिखिया स्कूल' कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को नए युग की आवश्यकताओं के अनुसार अति-आधुनिक हुनरों से लैस करना है, के लिए उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम तैयार करने में सहयोग देने वाले शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं तकनीकी भागीदारों का सम्मान भी किया गया।

यहाँ एम.सी. भवन में आयोजित समारोह के दौरान श्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि शिक्षा प्रणाली लंबे समय से उद्योग की आवश्यकताओं को नजरअंदाज करके चल रही थी। उन्होंने बताया कि 2.8 लाख विद्यार्थियों को लेकर हमारे द्वारा किए गए सर्वेक्षण एवं राष्ट्रीय आंकड़ों ने एक कड़वी हकीकत पेश की है कि स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद 45 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी नौकरी के लिए तैयार नहीं होते, जिसका कारण सही हुनर प्रशिक्षण न मिलना एवं कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि है। इसलिए पंजाब सरकार द्वारा देश भर में हुनर के इस अंतर को भरने के लिए

यह पहल शुरू की गई है।

इस दौरान श्री बैंस एवं श्री सिसोदिया ने शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं अन्य भागीदारों के साथ विचार-विमर्श करके प्रतिष्ठित 'हुनर सिखिया स्कूल' कार्यक्रम के बारे में फीडबैक भी लिया।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि 'हुनर सिखिया स्कूल' पहलकदमी सीनियर सेकेंडरी पाठ्यक्रम में तीन-विषयों पर आधारित मॉडल के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण में क्रांति लाएगी। इसे पारंपरिक व्यावसायिक प्रशिक्षण से पूरी तरह अलग तैयार किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी वैश्विक एवं औद्योगिक नेताओं द्वारा तैयार एवं प्रमाणित पाठ्यक्रम के साथ चार उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में से किसी एक में महारत हासिल कर सकते हैं, जिनमें मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार हेल्थकेयर साइंसेज एंड सर्विसेज, आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित डिजिटल डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट, ओरेन इंटरनेशनल द्वारा डिज़ाइन की गई ब्यूटी एंड वेलनेस तथा लेबरनेट सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा तैयार बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस (बी.एफ.एस.आई.) शामिल हैं।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि एजूकेशन एलायंस एंड माइकल एंड सुजैन डेल फाउंडेशन की तकनीकी भागीदारी के रूप में इस पहल को बुनियादी सहायता से और मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पेशेवर हुनर विषयों को अनिवार्य बनाकर संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करता है। कार्यस्थल की आवश्यकता अनुसार कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड असेसमेंट ने 'फंक्शनल इंग्लिश एंड कम्युनिकेशन' एक विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया है। इसके अलावा करियर फाउंडेशन एवं डिजिटल साक्षरता कोर्स विद्यार्थियों को वित्तीय, कानूनी एवं तकनीकी समझ से लैस करेंगे।

श्री बैंस ने कहा कि देश भर में स्कूल शिक्षा में अग्रणी पंजाब द्वारा क्लासरूमों में उद्योग की आवश्यकताओं अनुसार पाठ्यक्रम को शामिल करके अपने शिक्षा मॉडल में क्रांति लाई जा रही है। 'हुनर सिखिया स्कूल' कार्यक्रम विद्यार्थियों को ए.आई., डिजिटल डिज़ाइन एवं भविष्य-केंद्रित कार्यक्षेत्रों में हुनरों से लैस करेगा, जिससे वे पहले दिन से ही नौकरी के लिए तैयार होंगे।